साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 18 | अंक 01 | प्रति सोमवार इंदौर, 05 अगस्त से 11 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

अमेरिका तीसरे विश्व युद्ध के लिए आग में घी झोंक रहा

यूक्रेन को एफ-16 से रूस से युद्ध, इसराइल को भी हथियार

हथियारों का सौदागर, युद्ध रोकने की अपेक्षा खाड़ी के मुस्लिम राष्ट्रों व रूस को उकसा रहा

अमेरिका दुनिया का दादा बनने की तैयारी में अपने शत्रुओं को युद्ध में लड़वाकर कमजोर कर नष्ट करवाने की जालसाजी कर रहा है। वह रूस इतना छोटा नहीं जिससे अमेरिका और उसके छोटे गुंडो की फौज नाटो पार पा लेगा। जहां तक रूस ने यूक्रेन को एफ-16 एयरक्राफ्ट दे दिया है। जो 50 साल पुराना है। वह यह सोच रहा है कि एक एफ-16 से पूरा रूस जीत लेगा।

जबकि रूस तैयारी में ही बैठा है, कि उसके एफ-16 को टपका अमेरिका की धज्जियां बिखेर उसकी ठसक को मिट्टी में मिला पूरी दुनिया में एफ-16 की बिक्री का खेल बिगाड़ अमेरिका की दादागिरी को भी धूल चटा दे।

अमेरिकन एफ-16 देने के बहाने यथार्थ में रूस के ऊपर एफ-16 के माध्यम से जासूसी करने और उसको उड़ाने वाले अमेरिकन पायलट ही होंगे क्योंकि यूक्रेनी पायलट इसकी तकनीकी और सॉफ्टवेयर की भाषा को नहीं समझ सकेंगे। बेशक यूक्रेनी पायलट को अमेरिका ने 9 महीने की ट्रेनिंग दी है। सबसे महत्वपूर्ण यह है की रस को बलि का बकरा बनाकर अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी और रूस से युद्ध लड़ और लड़वाकर कर उसे कमजोर करने का सपना देख रहे हैं। बेशक चीन ने उसकी कॉपी बना ली है। भारत को चमकाने के लिए पाकिस्तान को बेंचते 2 सन् 1985 से 2024 आ गया।

सबसे महत्वपूर्ण तथ्य हैकि इस

युद्ध को रोकने के लिए विश्व शैतान संघ जो दुनिया को हाथ में चलने कादम भरता है कोई व्यवस्था नहीं की जड़ी उल्टे ही यूक्रेन से युद्ध की आड़ में उसको लगातार सैनिक साजू सामान देकर एक तरफ अमेरिका अपना कबाड़ा खत्म कर रहा है तो दूसरी तरफ अपने हथियारों की प्रदर्शनी लगाकर विश्व के देशों को खरीदने के लिए बाजार तैयार करवा रहा है इसलिए वह नहीं चाहता यूक्रेन और रूस युद्ध खत्म हो दूसरी तरफ आपने देखी लिया कि इसराइल जो है अकेले खाड़ी देशों में बीच में बैठकर लेबनान ईरान मिश्र फिलीश्तीन आदि से अमेरिका के सहयोग के नंबर ही लगभग 6 महीने से युद्ध कर रहा है। यदि यूक्रेन के साथ में ब्रिटेन फ्रांस जर्मनी व अन्य नाटो सहयोगी जुड़े तो स्वाभाविक सी बात है ईरान को सहयोग देने के लिए चीन और रूस इकट्ठे होकर साथ देना शुरू कर देंगे और इस प्रकार धीरे-धीरे यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध में बदल जाएगा इसके लिए पूर्णतः अमेरिका और उसकी हत्या बनाने वाली कंपनियां ही जिम्मेदार होंगी।

यूक्रेन की मदद के लिए 1 एफ-16 विमान मिला।

उनके संभावित प्रभाव के बारे में जानने योग्य बातें यहाँ दी गई हैं

यूक्रेन को पहला एफ-16 लड़ाकू विमान मिल गया है, जिसकी वह महीनों से मांग कर रहा था, ताकि वह रूसी मिसाइल हमलों के हमले से लड़ सके, एक अमेरिकी अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को पुष्टि की। यूक्रेन महीनों से अपने पश्चिमी सहयोगियों से यूक्रेन के लिए एफ-16 विमान खरीदने का आग्रह कर रहा था, उनका कहना था कि रूस द्वारा दागे गए मिसाइलों के हमले से लड़ने के लिए एफ-16 विमानों की बहुत ज़रूरत है। एफ-16 विमान दुश्मन की हवाई सुरक्षा को दबाने में माहिर है।

कीव, यूक्रेन (AP) — अमेरिका निर्मित एफ-16 एक प्रतिष्ठित लड़ाकू विमान है जो 50 वर्षों से NATO गठबंधन और दुनिया भर की कई वायु सेनाओं के लिए पसंदीदा फ्रंट-लाइन लड़ाकू विमान रहा है।

वाशिंगटन और यूक्रेन के अधिकारियों ने एसोसिएटेड प्रेस को पुष्टि की कि पश्चिमी देशों ने कीव को एफ-16 विमान देने का वादा किया है, और कुछ यूक्रेन पहुँच भी गए हैं। उम्मीद है कि लड़ाकू विमान जल्द ही यूक्रेनी आसमान में उड़ान भरना शुरू कर देंगे और यह देश के सोवियत युग के जेट विमानों के मौजूदा बेड़े के लिए बहुत ज़रूरी बढ़ावा होगा जो रूस के आक्रमण का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अगस्त 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने यूक्रेन में इस्तेमाल किए गए एफ-16 विमानों को तैनात करने के लिए हरी झंडी दे दी, हालाँकि अमेरिका अपने खुद के विमान उपलब्ध नहीं कराएगा।

(शेष पेज 6 पर)

धर्म के नाम चंदे के बाद मंदिरों में डकैती का धंधा

केदारनाथ के बाद जगन्नाथजी के खजाने में भी डकैती

देश के समाचार पत्रों में केदारनाथ मंदिर में सोना मड़ने के बारे में छापा, कहां गया?

संघ के पुराने नेताओं ने अपने राजनीतिक दल का 1980 में गठन किया। 1984-85 से जब से भाजपा अपने अस्तित्व में आई पहले राम मंदिर के नाम पर हजारों करोड़ों की वसूली की। भाई लगभग 15000 करोड़ का धन जो 84 से 95 तकजनता सेनगद धन व सामग्री के रूप में वसूला गया सब गायब हो गया और जब 2014 में सत्ता में आई तो देश कि हिंदू जनता से लेकर औद्योगिक घरानों, बड़े नगरों की मंडियों बाजारो उद्योगों के साथ विदेशों से लगभग 40हजार करोड़ का चंदा वसूला गया। कहां गया कोई हिसाब नहीं। जो लगभग रुपए 800 करोड़ में मंदिर निर्माण हुआ। 6 महीने में ही प्रतिमाओंके के अंग भंग होने लगे। बरसात

होने पर छतों से पानी टपकने लगा। संघ और उसके भाजपाई नेताओं को लालच यहीं पर खत्म नहीं हुआ उनकी निगाहें देश के सभी बड़े हिंदू मंदिरों पर जिसमें बनारस का बाबा काशीनाथ, उज्जैन का महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर आदि के पुनर्निर्माण के नाम पर मंदिरों मैं हजारों वर्षों से प्राप्त दान जिसमें सोना चांदी हीरे मोती आदि के खजानों को गायब कर दिया गया। गुजरातियों को बसाने उनका व्यवसाय करवाने उनकी होटल लॉज आदि से जनता को लूटने की व्यवस्था के लिए हजारों वर्ष पुराने हजारों मंदिरो समाधियों मठों मड़ियों व आसपास की बस्तियों को तोड़फोड़ कर बर्बाद करने उजाड़ने का खेल किया गया।

हाल ही में शंकराचार्य ने मंदिरों में डॉली जड़ी डकैती के बारे में केदारनाथ मंदिर की 230 किलो सोने से साडे 500% जो मंदिर की दीवारों जो जिलेहरी आदि में लगाया था। गायब होने के बारे मेंलगातार सवाल उठाए हैंउड़ीसा में भी पहले वहां की सरकार को पलटाया गया।

(शेष पेज 6 पर)

घोर भ्रष्ट डकैत आईएएस अधिकारियों को मोटी वसूली के हिसाब से पदस्थी

कभी सरकार आईएएस के भी फोन टैप करके जांचे

देश को चलाने वाले खुदा सबसे बड़ा डकैत

प्रदेश सरकार ने 10 वरिष्ठ भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारियों का कमाई के पद परिवर्तन

IAS मोहम्मद सुलेमान, सुदाम खाड़े और संदीप यादव शामिल हैं

मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए 10 सीनियर आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं. इसमें 9 विभागों के प्रमुख सचिव बदले गए हैं. अपर मुख्य सचिव (ACS) मोहम्मद सुलेमान से स्वास्थ्य विभाग ले लिया गया है, मोहम्मद सुलेमान पूर्व 2002 से चार तक इंदौर का

कलेक्टर भी रहा। और उस समय भी खनन, शराब, परिवहन के साथ भू व कालोनी माफियाओं के सारे पर नाच कर मोटा भ्रष्टाचार किया सितंबर 2004 से अप्रैल 2010 तक मध्य प्रदेश सड़क डकैती विकास निगम का प्रबंध संचालक रहते हुए भी भारी भ्रष्टाचार जिसके अंतर्गत अधिकांश सड़कों को 3 से 5 गुना डीपीआर स्वीकृत कर बैंकों से सरकार की गारंटी पर ऋण दिलवाकर अधिकांश टोल सड़कों पर बनी बनाई सड़कों को बनाया गयाभारत सरकार के भीतर परिवहन मंत्रालय के स्पष्ट निर्देश की और परिपत्र के विपरीत और रायसेन से राहतगढ़ तक की सिंगल लेन रोड पर भी वसूली करवाई गई। और इस प्रकार अधिकांश सड़कों पर टोल वसूलने वाली फर्म से टाल देने के सदस्य 20% कमीशन खाकर हर साल करोड़ों की वसूली कर एक लेन और दो लेन पर भी जिसमें इंदौर की इच्छापुर मध्य चौड़ाई की सड़क पर जनता से सन 2003-4 से लेकर सन 17 तक मो. सुलेमान के कार्यकाल में वसूली करवाई जाती रही। (शेष पेज 7 पर)

संपादकीय

देश में बढ़ती धनी व निर्धनों के बीच गहरी खाई

मोदी के सत्ता संभालने के बाद अपने खास अडानी अंबानी टाटा बिरला मित्तल, पूंजीपतियों बहुराष्ट्रीय कंपनियों अमेजॉन वॉलमार्ट आईटीसी युनिलीवर आदि के साथ चीनी कंपनियों के मोटे फायदे और मोटी दलाली के लिए उनके इशारे पर की गई सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी और तालाबंदी ने 2 करोड़ उद्योगों, दुकानों बाजारों मंडियों सदा के लिये बंद करने के साथ 40 करोड लोगों को बेरोजगार कर दिया। जिससे जो कांग्रेस के समय 15 करोड़ गरीब रु.1 किलो का गेहूं रु. 2 किलो का चावल खाकर जीवन यापन कर रहे थे वह 85 करोड़ हो गए। विश्व की अतीव विश्वसनीय व विश्व स्वीकार्य अति प्रतिष्ठित संस्था 'वर्ल्ड इनईंक्वेलिटी लैब'ड्याने आर्थिक विषमता व आर्थिक असमानता पर सटीक विश्लेषण करने वाली विश्व संस्था ने भारत देश में आर्थिक ग़ैरबराबरी व असमानता की खाई को लेकर जो आँकड़े जारी कर हक़ीक़त को क्या उजागर किया कि भूचाल आ गया हैं. ये विषम हालात अतीव भयावह,डरावने ही नहीं भीषण चिन्ताक़ारी भी हैं.इसीलिए केन्द्र सरकार ही नहीं अन्य सिहासी पार्टियाँ भी नाना प्रकार के मुद्दे उछालकर इस खुलासे पर पर्दा डालने पर ही प्रयासरत हैं. यह रिपोर्ट बताती हैं कि भारत में आर्थिक असमानता इतनी भयावह हो गई हैं कि जो गुलाम भारत के अंग्रेजी शासन याने आज से सौ वर्ष पहले से भी अधिक नीचे आकर अतीव विस्फोटक हो गई हैं. इसके तीन बड़े कारण स्पष्ट हैं पहला कि अरबपतियों की क़तार में भारत अमेरिका व चीन के बाद तीसरे नम्बर का सबसे श्रेष्ठ पायदान पर ज़रूर पहुँच गया मगर वहीं दूसरी ओर भारत देश भूख व भुखमरी में दुनिया के सबसे अधिक विराट भूखड़ राष्ट्रों से भी नीचे याने 121 में 111 वें स्थान पर आकर अब 113 वे स्थान पर आते याने पाकिस्तान जैसे टुचिया राष्ट्र से भी नीचे पहुँच बदतर हालातों में पहुँच गया हैं. भूखमरी ने इतना भयावह रूप धारण कर लिया हैं कि 82 करोड़ लोग पाँच किलो अनाज पर ही गुजारा करने को मजबूर हैं.

दूसरा इस समय क्रय शक्ति, बचत शक्ति,माँग शक्ति, मुद्रास्फीति व जीने के मौलिक अधिकार की दृष्टि से आवश्यक व मौलिक बहुत ही अधिक ज़रूरी सुविधाओं के लिहाज़ से देश सर्वाधिक निम्न पायदान पर पहुँच गया हैं और तीसरा कि महँगाई, बेरोज़गारी, मूल्यवृद्धि,आर्थिक लूट व हर समय बढ़ते बेपनाह सरकारी टैक्सों, सैंसों व सरचार्जों ने जैसे प्रजा को कंगाल कर दिवालिया बना डाला हैं. हालात इतने नाज़ुक हैं कि नीति आयोग के अनुसार शहर में मात्र 56 रुपये प्रतिदिन व गाँव में सिर्फ़ 46 रुपये प्रतिदिन कमाने वाला अब ग़रीबी रेखा से ऊपर गिना जा रहा हैं. मोदी सरकार की इस वर्ष की आर्थिक सर्वे की रिपोर्ट व भारतीय रिज़र्व बैंक की रिपोर्ट बहुत डरावनी व भयभीत करने वाली हैं वहीं अभी हाल ही हुए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सर्वे में यह जानकर पूरा देश स्तब्ध हैं कि देश में 71 करोड़ लोग सिर्फ़ सौ रूपये प्रतिदिन व 21 करोड़ लोग सिर्फ़ पच्चास रुपये प्रतिदिन की दिहाड़ी पर ही टिके हुए हैं.हालात इतने भयावह हैं कि देश के सिर्फ़ एक प्रतिशत लोगों के पास देश की पूँजी,संसाधन व मिल्कियत का 62% हिस्सा हैं,पाँच प्रतिशत लोगों के पास 70% से 72% तथा दस प्रतिशत सुपर रिच व एक्सटरा सुपर रिच सारों के पास 90% प्रतिशत हिस्सा हैं. और भारत देश की कुल 90ङ आबादी के पास सिर्फ़ 10% हिस्सा हैं. देश में अर्थशास्त्र के महानतम चिन्तक प्रोफ़ेसर अरुण कुमार व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के अर्थशास्त्री पति तो कहते हैं कि इससे साफ़ लगता हैं कि यह दयनीय हालत तो बता रही हैं कि आर्थिक ग़ैरबराबरी,असमानता व शोषण का ऐसा वीभत्स दावानल तो सौ क्या दो वर्षों पहले भी नहीं था जो आज देश कीड़े मकौड़े की तरह तरसते व तड़फते भुगत रहा हैं. अर्थशास्त्र के विश्व विशेषज्ञ डा. रघुराम राजन व मोदी सरकार के द्वारा नियुक्त रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर डा. ऊर्जित पटेल व मोदी सरकार के आर्थिक सलाहकार रहे प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डा. सुब्रमण्य तो बहुत पहले इसको लेकर चिन्ता जता रहे थे मगर सुनवाई नहीं होने से वे अपने अपने पदों से हट गए, आज उन सब की शंका व चिन्ता सही साबित हुई हैं. विश्व के महान अर्थशास्त्री व नोबेल विजेता प्रोफ़ेसर अमृत्य सेन ने तो इन हालातों की भविष्यवाणी बहुत पहले ही कर दी थी. चिंता तो सिर्फ़ सत्ता पाने की ही थी देश को तारने व उभारने पर ध्यान कभी गया ही नहीं.

प्रकृति को, मानवीय लालच बर्बाद कर, दे रहा अकाल, काल को दावत

ऋग्वेद की सूक्ति है, प्रकृति की प्रकृति है, की प्रकृति के निकट रहे। यथार्थ में यह सूक्ति केवल ऋग्वेद की सूक्ति ही नहीं वर्ण मानव के साथ धरती पर निवास करने वाले सभी जैविक व वानस्पतिक प्राणियों के जीवन का आधार होने के साथ धरती पर वर्तमान और भविष्य की पीढ़ीयो का जीवन सुचारु रूप से चला रहे, का ब्रह्म वाक्य है। धरती का सबसे उच्छृंखल घोर धूर्त, मा मक्कार और लालची प्राणी है, मनुष्य, जो तात्कालिक आभासी लाभ के लिए प्रकृति के प्राकृतिक नियमों का उल्लंघन कर न केवल अपनी प्रजातिके साथ-साथ अन्य सभी जैविक वानस्पतिक प्राणियों के लिए प्राकृतिक नियमों का उल्लंघन कर संकट पैदा करता रहता है और उसे संकट का सबसे ज्यादा प्रभाव स्वयं मनुष्य को ही झेलना पड़ता है। वह धरती का सर्वश्रेष्ठ बौद्धिक प्राणी होने के छद्म दंभ के साथ जानता है, कि वह इस धरती का छुद्र अनिश्चित वर्षों का अतिथि है।

इसका जन्म हुआ है। उसकी मृत्यु निश्चित है। इसके विपरीत वह प्रकृति के जल वायु नदियों पहाड़ों मैदानों वनों का दोहनकर अपनी क्षणिक आभासी तात्कालिक सुख सुविधाओं के लिए आधिपत्य में कर लेना चाहता है। यह पृथ्वी के मृत्युलोक के आंगन में बसे हुए सभी महाद्वीपों के सभी मनुष्यों का भौतिक यथार्थ है। और उसी की घोर लालची प्रवृत्ति न केवल भारत में वर्णन पृथ्वी के हर कोने में प्रकृति से वास्तविक प्रकृति को त्याग उसके विपरीत अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने का संकट उसी के लिए अभिशाप भी बन जाता है। वर्तमान में वर्षा ऋतु में भारत में निशदिन चारों तरफ से बाढ़ भूस्खलन से अकाल काल के मुख में समाते जीवन व बर्बादी देख रहे है। देश में प्राकृतिक अपदाएँ व विभीषिकाएँ देश के केदारनाथ से केरल तक के कौन कौने में भयावह प्रकोप का वीभत्स क़हर बरपा रही हैं. विनाशलीलाओं के प्रचण्ड बवण्डर ने पूरे देश को भय से डराते भयाक्रान्त व कँपायनमान कर दिया हैं.हर रोज कभी मैदानों में,कभी पहाड़ों पर तो कभी पठारों में इनके रौद्र होते अति विध्वंसकारी दुष्परिणाम के हादसे दर हादसे से देश काँप उठा हैं. कहीं भीषण सूखा,कहीं विस्फोटक प्राणलेवा गर्मी की झुलसान,कहीं अतिवृष्टि का रौद्र तांडव, तबाही से भरी भीषण बाढ़ें, प्राणियों को लील लेने वाले भूस्खलन,पहाड़ों के दरकने के भीषणतम खतरों ने देश को संकटों से घेर लिया हैं. दुखदायी व चिन्ताजनक यह हैं कि केन्द्र व राज्य सरकारें, प्रशासन व ज़िम्मेदार विभाग इसे प्रकृति का अन्याय घोषित कर व प्रचारित कर सारा दोष ऊपर वाले के सिर मंडते खुद अपने अपराधों से भाग बच जाते हैं.वहीं भोली भाली प्रजा ऐसे ही झूठे प्रचार का शिकार बन इसे दैव प्रकोप समझ इसी तबाही में दुबक सत्य के हक़ीक़त से आँखें मूँद लेती हैं.

मगर यह नहीं समझ पाती हैं कि यह विनाशलीला कुछ पहुँचवान धनपतियों, दबंग माफियाओं, समाज व वर्गों के प्रभावशाली गुण्डों के साथ सरकारों व बड़े अधिकारियों की पापी मिलीभक्ति की दुर्दान्त लूट का जधन्य पापाचार हैं जो भारत देश को संगीन तबाही के दावानल में धँसाकर फँसा रहा हैं. देश का सिर्फ़ पश्चिमी घाट,तमिलनाडु, केरल,कर्नाटक,गोवा सहित महाराष्ट्र की कोकण पहाड़ियों का नब्बे हज़ार वर्ग किलोमीटर का क्षैत्र भारी भूस्खलन की जद में याने केरल के वायनाड जैसी हृदयविदारक घटनाएँ हर आये दिन सुनने व देखने को मिल सकती हैं.वहीं देश के तमाम उत्तर, पूर्व व पश्चिम भारत में लाखों लाख वर्ग किलोमीटर वन व जंगल के हो चुके खात्मे व करोड़ों पेड़-पौधों व वनस्पतिक साधनों,पहाड़ी संसाधनों,खनिज संपत्तियों व धरती की छाती से पानी व पेयजल के भयावह दोहन व बर्बादी के दुष्परिणामों का सिर्फ़ टेलर देखकर ही सारा देश त्रासदी से भयभीत हैं मगर कुछ वर्षों बाद जब यह संत्राप अनियंत्रित होगा तब सारा देश व देश के करोड़ों इंसान अपने प्राणों के लिए भीख माँगते कीड़ों-मकौड़ों की तरह मौत के जबड़े में समा जाएँगे. ऐसे प्रलय से बचने के लिए प्रजा को चेतन व सरकारों को सुधरना ही होगा अन्यथा काल के कुदरत का पहिया सर्वस्व को कुचल देगा और प्रकृति प्रलय का यमराज हमे निगल लेगा. वहीं हमारी आल औलादें पैदा होकर भी जीने को तरसेगी.

राहुल ने देश के मीडिया का पुनः महत्व स्थापित किया लोकसभा में

लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को मजबूत होना कितना आवश्यक है? यह जनता ने हीं पिछले 10 साल में मोदी की अहंकारी प्रवृत्ति और मीडिया को लगातार खरीद अपमान करने उसको छल बल दल और धन से जिस प्रकार से अपनी कठपुतली बना लिया था। वह जनता ने देखा परंतु तीसरी लोकसभा में मोदी के सामने विपक्ष के दमदार होने से मीडिया को विपक्ष के नेता राहुल ने पुनः लोकसभा में स्थान दिलवा कर महत्व को स्थापित किया।

अगर आज नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लोकसभा में पत्रकारों को कैद करने की बात नहीं उठाते तो क्या लोकसभा अध्यक्ष उन्हें मिलने के लिए बुलाते? पत्रकारों की समस्या आज की नहीं है नई संसद बनने के बाद से 1 साल की हैऔर अगर सही रूप से कही जाए तो पिछले 5 साल की।

कैसे? पहले 5 साल वाली बात करते हैं। 5 साल से लोकसभा की मीडिया एडवाइजरी कमेटी नहीं बनी है। यह कमेटी नए पत्रकारों को लोकसभा की प्रेस गैलरी में पास देने की सिफारिश करती थी और उसके आधार पर लोकसभा सचिवालय वह पास इशू करता था।

अब कोई नए पास इशू नहीं हो रहे हैं और जिनके पास पुराने पास थे उन्हें रिन्यू नहीं किया जा रहा है।

अब पिछले 1 साल की। जो नई संसद बनने के बाद से पैदा हुई हैं।नई संसद में पुरानी की तरह कोई सेंट्रल हॉल या कॉरिडोर या प्रेस रूम ऐसा नहीं है जहां वह सांसदों से बात कर सके। खड़े होने बैठने के लिए कोई कोना स्थान नहीं है। लोकसभा की प्रेस गैलरी में राज्यसभा के सांसदों को भी बिठाया जाता है। यह भयानक आश्चर्यजनक है।

लोकसभा में राज्यसभा के सांसदों की अलग गैलरी बनाई नहीं है। पुरानी संसद में वह थी। लोकसभा राज्यसभा दोनों की प्रेस गैलरी में जाने से पहले जहां फोन रखवाया जाता है उसके साथ अब पर्स घड़ी पेन भी रखने के लिए कहा जाता है। इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि इस स्थान पर विजिटर का सामान भी रखवाते हैं सीआईएसफ वालों को विजिटर और प्रेस में अंतर समझ में नहीं आता है। पुराने संसद में प्रेस के लिए फोन रखने का स्थान बिल्कुल अलग था सिर्फ प्रेस के लिए।

यहां नहीं है। साथ ही वहां फोन रखने के खुले खाने थे यहां छोटे-छोटे से ताले वाले खाने बना दिए हैं जिसकी दो चाबियां आपके साथ रखने के लिए दे दी जाती हैं। वह बहुत ही असुविधाजनक है। नई संसद में पत्रकारों के लिए कैंटीन अलग नहीं है स्टाफ के साथ है और इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि सीआईएफ भी वही खाना खाने आता है जिनकी संख्या करीब 4000 है इतनी भीड़ हो जाती है कि पत्रकारों को खाना मिलना मुश्किल हो जाता है। पुरानी संसद में मीडिया के लिए अलग कैंटीन थी। नई संसद के बाहर एक ही मीडिया स्टैंड बनाया है जिसे राहुल ने आज पिंजरा कहा। है भी वह ऐसा ही। पुरानी संसद के बाहर कई स्टैंड थे। बड़े और खुले। साथ ही अंदर भी प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक बड़ा कमरा था जहां पत्रकार फोटोग्राफर कैमरामैन बैठ सकते थे। समस्याएं बहुत हैं। हमने पिछले 1 साल में इन पर काफी लिखा है। और ट्विटर की टाइमलाइन पर वह सब देखने को मिल सकती हैं। और सबसे बड़ी बात अधिकारियों को सारी समस्याएं मालूम है। और मालूम तो लोकसभा अध्यक्ष को भी हैं। मगर समस्या यह है की स्पीकर साहब खुद निर्णय नहीं लेते हैं और अपने से ऊपर की तरफ देखते हैं।

अब संसद में स्पीकर से बड़ा कोई नहीं होता है। वहां प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के अधिकार भी एक सांसद के बराबर ही होते हैं। संसद भवन का पूरा क्षेत्राधिकार अंदर और बाहर लोकसभा अध्यक्ष के अंतर्गत आता है। वहां सोमनाथ चटर्जी बलराम जाखड़ मावलंकर जैसे अध्यक्ष हुए जिनकी स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रशासन की तारीफ उनके विरोधी भी करते हैं। मगर अब सभी संस्थान समर्पण कर चुके हैं। संसद का प्रशासन भी। ऐसे में आज नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद भवन में मीडिया को पिंजरे में कैद करने की बात कह कर भगत सिंह के शब्दों में बहरों को भी सुनाने जैसा धमाका जैसा कर दिया।

संयोग ही है कि भगत सिंह ने भी इसके बगल वाले संसद भवन में ही धमाका किया था।

भारत की खाद्य व्यवस्था को विघासं के इशारे पर विषैला बनाने का षड्यंत्र

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मोटे लाभ के लिए बर्बाद कर रहे देशी व्यवसाय

घोर भ्रष्ट खाद्य सुरक्षा, पंजीयन, अभिहित अधिकारी छोटे, मध्यम उद्योगों, दुकानों, व्यवसाईयों से वसूली कर बचा रहे बड़े पूंजीपतियों वह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उद्योगों व खाद्य व्यवसाय को

भारत की प्राचीन सभ्यता और उसमें प्रचलितचार वेदों जिसमें तृतीय वेद आयुर्वेद है, जिसने न केवल भारत वरन विश्व को सुरक्षित प्रकृति एवं ऋतुओं के अनुसार स्वास्थ्यवर्धक भोजन बनानी सेवन करने और दीर्घ काल तक स्वस्थ रहने की जीवन पद्धति सिखाई। पर यूरोपीय म्लेच्छ खंड निवासियों ने बींसवीं शताब्दी तक आते आतेदुनिया परअपना राज्य स्थापित करने अमेरिका ब्रिटेन जैसे देशों ने अपना माल बेचने मोटी कमाई करने और अपने ऊपर निर्भर करने के लिए षड्यंत्र करने शुरू किये और षडयंत्रों को पूरा करने उसने अनेकों संगठन जिसमेंविश्व शैतान संघ यूएनओ, विश्व घातक संगठन वर्ल्ड हजार्डियस ऑर्गेनाइजेशन वह उसके अनेकों अनुसांगिक संगठन बना विश्व के देशों की सरकारों को खरीदउनके मानव निर्मित व प्राकृतिक स्रोतों पर कब्जा कर वहां की आबादी कोगुलाम बना बनाने के षड्यंत्रों का हिस्सा है, भारत में थोपा गया खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 जिसके अंतर्गत खाद्य सामग्री को घातक रसायनों के प्रशीतक व कीटनाशक मिलाकर पैकिंग में बेंच मनमानी लूट करने का षड़यंत्र किया जा रहा हैजिसके लिए भारत मेंकेंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत बनाई गई विश्व घातक संगठन के इशारे पर नाच कर काम करने वाली खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण संस्था है। जिसका मूल उद्देश्यछोटे व्यापारियों विक्रेताओं दुकानदारों उद्योगबाजारों कोविभिन्न कानूनी षड़यंत्र में फंसा कर पूरी तरह नष्ट कर बहुराष्ट्रीय कंपनियों अमेजॉन वॉलमार्ट अडानी अंबानी टाटा बिरला के शॉपिंग मॉल को सौंपने का षड़यंत्र किया जा रहा है। भारत में मोदी के सत्ता संभालने के बाद वह पूरी तरीके से मोटा कमीशन और दलाली खाकर पूर्ण रूप से .बहुराष्ट्रीय कंपनी के इसारे पर नाच कर देश को हर तरह से बर्बाद करने पर तुला है।

हालत यह हैकि पूरे प्रदेश और देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे 6 लाख गांवों तक छोटी किराना दुकानों से लेकर छोटी मोटी चायपान की होटल दुकानों ठेलों पर घातक प्रसंस्कृत रसायन व लंबे समय तक खराब होने से बचने के लिए कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों केदो पांच 10 ग्राम से लेकरसभी प्रकार की खाने की पेकिंग रु.10 किलो के आलू का चिप्स रु.2000 किलो में पैसा जाकर लूटा जा रहा है और सरकार उसको प्रोत्साहित करने कानूनी तरीके से अनेकों प्रकार के षड्यंत्र कर सभी ताजा खाद्य पदार्थ सब्जी भाजी दूध दही घी मक्खन किराना, नमकीन, मिठाइयां, आटा दाल तेल सूखे अनाज आदि विक्रेताओं कोखत्म करने पर तुली है उसके लिए उसने बाकायदा विश्व घातक संगठन के इशारे पर नाच कर लगभग 5000 से ज्यादा चलित खाद्य प्रयोगशालाएं जिसमें ना पूर्णकालिक खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य विश्लेषकहोता है ना ही उनकी कोई शासकीय मान्यता है पर डराने धमकाने और भाई उत्पन्न करने के लिए पूरे देश में चलाई जा रही हैं। दूसरी तरफ पश्चिम मध्य प्रदेश के इंदौर उज्जैन संभाग के 15 जिलों में बैठे अभिहित, खाद्य सुरक्षा व पंजीयन अधिकारियों मैं जो मोटी कमाई कर रहे हैं। एक ही घोर भ्रष्ट खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंत्री एवं आयुक्त को मोटा धन पहुंचा कई जिलों में पदस्थ रहकर महीना वसूली कर रहे हैं। जिसमें नीरज श्रीवास्तव, राजू सोलंकी, रामगोपाल मौता मुख्य हैं। इन हरामखोरों से जब सूचना के अधिकार में जानकारी मांगी जाती है तो सारा कार्य ऑनलाइन व कंप्यूटराइज होने के बाद में भी धारा 2(j)iv के अंतर्गत ना तो सीडी दी जाती है। जहां तक यूआरएल का सवाल हैतो वह खुलता ही नहीं है। हर जिले में हर खाद्य सुरक्षा अधिकारी को न्यूनतम 10 नमूने लेकर उनको जांच में अपनी व्यक्तिगत टिप्पणी के साथ भेजना चाहिए। जो कि अधिकांश खाद्य सुरक्षा अधिकारी लेनदेन करने के कारण ना ही प्रयोगशाला को भेजते हैं और ना ही अमानक पाए जाने पर न्यायालय में प्रकरण लगाते समय लगाते हैं। दूसरी तरफ हर कंपनी व्यवसाय दुकान उद्योगआदि मेंकोई ना कोई व्यक्तिगत नाम से पंजीयन में नाम डाला जाने के बावजूद भी व्यक्तिगत नाम ही नहीं लगाए जाते और सजा होने के बाद भी कोई भी दंड व सजा नहीं भुगतता। इंदौर, उज्जैन, आगर मालवा, अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, देवास, झाबुआ खंडवा खरगोन नीमच मंदसौर रतलाम शाजापुरआदि में अधिकांश खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों की असफल जांच रिपोर्ट आने पर भी न्यायालय में प्रकरण नहीं लगाये इंदौर उज्जैन संभाग के15 जिलों में कार्यरतअभिहितखाद्य सुरक्षा वपंजीयन प्राधिकारी के रूप में कार्यरत कर्मचारियों की सूची निम्न अनुसार है जो कि और राष्ट्रीयखाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकारी की साइट से संग्रहित की गई है।

इंदौर में खाद्य सुरक्षा अधिकारीके रूप में कुमारी अलमेलु पीवी, अवश्य अग्रवाल, मनोज रघुवंशी नीरज श्रीवास्तव, प्रभु लाल डोडियार, राकेश प्रसाद त्रिपाठी, राम गोपाल मौता, मनीष कुमार स्वामी के खासुअ के साथ पंजीयन अधिकारी भी, देवास में डेजिग्नेटिड ऑफीसर एमएस गोसर, खासुअ राजू सोलंकी, कैलाश वास्केल, वैशाली सिंह के साथसुरेंद्र ठाकुर पंजीयन प्राधिकारी भी है, धार में नीरज श्रीवास्तव, राम गोपाल मौता और शैलेश गुप्ता जो पंजीयन अधिकारी होने के साथ सचिन लोंगरिया डेजिग्नेटिड ऑफीसर है।

आगर मालवा मेंडॉक्टर राजेश गुप्तासीएमएचओबेसिक लिमिटेड ऑफिसर हैऔर खासुअ राजू सोलंकी और कन्हैयालाल कुंभकार पंजीयन प्राधिकारी भी है

अलीराजपुर में डेजिग्नेटिड ऑफीसर प्रियांशी भंवर खासुअ धीरेंद्र सिंह यादव पंजीयन प्राधिकारी दिनेश कुमार गदरिया गडरिया, नीरज श्रीवास्तव और रामगोपाल मौता, बड़वानी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व अभिहित अधिकारी डा सुरेखा जमरे, खासुअ कुमारी कीर्ति रावत, नीरज श्रीवास्तव, रामगोपाल मौता, वेल सिंग मोरे, प्रेमलता भंवर, पंकज अंचल पंजीयन अधिकारी भी है। बुरहानपुर मेंअभिहित अधिकारी डॉ राजेश सिसोदिया जो सीएम एचओ भी है, खासुअ नीरज श्रीवास्तव, राम गोपाल मौता, झाबुआ में अभिहित व मुचि अधिकारी डॉक्टर भरत सिंह बघेल, खासुअ नीरज श्रीवास्तव राम गोपाल मौता, राहुल सिंह अलावा पंजीयन अधिकारी भी है, खंडवा मेंअभिहित अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओपी जुगतावत, खासुअ नीरज श्रीवास्तव, राधेश्याम गोले, राम गोपाल मौता, और संजीव कुमार मिश्रा पंजीयन अधिकारी भी है। खरगोन मेंअभिहित अधिकारी डॉ मोहन सिंह सिसोदिया खासुअ नीरज श्रीवास्तव, राम गोपाल मौता, नर सिंह सोलंकी, और हीरालाल अवश्या व रेवाराम सोलंकी पंजीयन प्राधिकारी भी है। मंदसौर मेंअभिहित अधिकारी डॉक्टर गोविंद सिंह चौहान व खासुअ राजू सोलंकीऔर श्याम सिंह रावत के साथभेरू सिंह जामोद पंजीयन प्राधिकारी भी है। नीमच मेंडॉ दिनेश प्रसाद अभिहित अधिकारीऔर सीएमएचओ व खासुअ राजू सोलंकी व यशवंत कुमार शर्मा हैं।

रतलाममें में अभिहित अधिकारी डॉक्टर प्रभाकर नानावरे मुचिस्वाअ भी हैं। खासुअ कुमारी ज्योति बघेल, राजू सोलंकी, कमलेश जमरा, वह श्रीमती प्रीति मंडोरिया, शाजापुर मेंअभिहित अधिकारी अजय साल्विया, राजू सोलंकी, शिवराज पावक, श्रीमती दीपा टटवाड़े, उज्जैन में अभिहित अधिकारी डा अशोक कुमार पटेल, खासुअ राजू सोलंकी, बने सिंह देवलिया, महेंद्र कुमार वर्मा,पुष्पक कुमार द्विवेदी, सुभाष खेड़कर, बसंत दत्त शर्मा पंजीयन प्राधिकारी भी है। जैसा की भारत की खाद्य व सुरक्षा मानक प्राधिकारी की साइट से मिला।

निगम पालिकाओं परिषदों में हर कदम लूट, भारी भ्रष्टाचार पर कोई नियंत्रण नहीं

पेज 8 का शेष

प्रति वर्ष यहां 10 से 20000 करोड रुपए का भ्रष्टाचार शासकीय धन में विभिन्न योजनाओं, सड़क, नाली, भवन, पेयजल पाईपलाईनों के निर्माण, मरम्मत, रखरखाव, जनता को विधवा, वृध्दावस्था पेंशन, गरीबी उन्मूलन, आकस्मक मृत्यु व अन्य योजनाओं में स्कूल, शौचालय मूत्रालय, फुटपाथ, चौराहे तिराहे निर्माण मरम्मत रखरखाव नालों की, गंगा सफाई, स्ट्रीट लाइट, बाजार व्यवस्था यातायात चिड़ियाघर वाहनों की खरीद, सुधार, मरम्मत, वर्कशाप, रखरखाव आदि की खरीदी, 33 विभागों में केंद्र व राज्य सरकार की अनेकों योजनाओं का भुगतान होता है। दूसरी तरफ इतना ही पैसा जनता से चालान पॉलिथीन गंदगी नक्शे पास करने, भवनों, बोरिंग की परमिशन गुमास्ता जन्म मृत्यु शादी आदि कंप्युटर, सफाई आदि के ठेके देने, पंजीयन प्रमाण पत्र बनाने व अन्य प्रकार के लाइसेंस देने के नाम पर नगर निगम के कर्मचारी अधिकारी वसूल लेते हैं।

इन सारे हरामखोर कर्मचारियों अधिकारियों पार्षदों के मोबाइल नंबर टेप करके मालूम किया जा सकता है कि कितने हजार करोड़ रु का हर साल इंदौर में भ्रष्टाचार किया जाता है। उस भ्रष्टाचार को घोर डकैट रोक नहीं पाते। बस हर तरह से जनता को लूटने तरह के करों में वृध्दी करने का षड़यंत्र अवश्य करते हैं।

31 दिसंबर को हर कर्मचारी कोअपनी संपत्ति को घोषणा करनी पड़ती है। उन घोषणा पत्रों का अध्ययन क्यों नहीं किया जाता।

फिर हरामखोर जालसाज निगम आयुक्त कलेक्टर महापौर पार्षद सभी अधिकारी और कर्मचारी के सारे विवरण सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत 25 बिंदुओं में साइट पर संपत्तिकर जलकर, प्रकाश व्यवस्था, शिक्षा स्वास्थ्य व अन्य सभी सेवाएं उनके विवरणवहां कार्यरत कर्मचारियों अधिकारियों के नाम वसूली खर्च टेंडर नक्शे खरीदी भुगतान एमबी की कॉपियां, ठेके, ठेकों के ठेकेदार कंपनी का नाम उसके कर्मचारियों का नाम कार्य का नाम लागत व अन्य विवरण सब कंप्यूटर की नगर निगम इंदौर की साइट पर क्यों नहीं डाला जाता। क्या सब कानून से ऊपर हैं इनके ऊपर कानून नहीं लगता है। फिर अगर ईमानदार हैं तो कानून का पिक्चर 19 साल से पालन क्यों नहीं किया गया इंदौर की जनता इंदौर के शहर क्या सब हरामखोरों केलूट डकैती और प्रयोगशाला का अड्डा है जिसको जो मन में आए एक सड़क पर तीन तीन नालियां बिछा दो।

600 किलोमीटर लंबी सड़कों पर ढाई हजार किलोमीटर से ज्यादा कभी एक फीट की कभी 2 फुट की कभी 3 फुट की फिर कभी बाढ़ का पानी निकालने के लिए एक ही सड़क पर 2-2,3,4 बार नालियां में बिछा दी गई।

सबसे बढ़िया उदाहरण राजवाड़े के पास वीर सावरकर मार्केट के सामने 15 बाय 20 स्क्वायर मीटर में लगभग 30 से ज्यादा जल निकासी के होल बनाकर ढक्कन लगा दिए गए। विभाग के इंजीनियर और कर्मचारी को ही नहीं मालूम किस ढक्कन की लाइन कहां जा रही है जब देखो तब खुद कर साफ सफाई करने उसके नक्शे रखना की अपेक्षा नहीं ठेके नई लाइनमें 50% से 80% तक कमिशन जाकर कागजों पर ही करवा दिया गया। इस पर किसी का कोई नियंत्रण देखरेख कुछ भी नहीं पूरे शहर का यही हाल है। मेट्रो ट्रेन 25000 करोड़ की, पुल पुलिया ओवर ब्रिज रेलवे ब्रिज भवन सड़के नाली फेवर ब्लॉक पगमार्ग पट्टियां निर्माण व अन्य रखरखाव पुताई मरम्मत आदि के कार्य 3 से 10 गुना की डीपीआर पर टेंडर किए जाते हैं और बिना गुणवत्ता के नेता जी के पट्ठेवाद के नाम पर धड़ल्ले से भुगतान किए जाते हैं। उस पर कोई नियंत्रण नहीं वह भ्रष्टाचार नहीं रोका जा सकता।

इसके बाद में भीआधा 1 घंटे पानी गिर जाए तो सड़कों पर पानी भर जाता है तो सूकरों तुम्हारे बाप की जागीर है। जब जो मन में आए संपत्ति का जल कर पार्किंग कर सब बढ़ाकर, व्यापारियों को, जनता को डराते धमकाते, समान फैंकते, मकान तोड़ते लूटो और स्वयं भ्रष्टाचार और डकैती के लिए शहर को लूटते बर्बाद करते रहो। लोगों की जान जोखिम में डालते रहो। कुत्तों के नाम पर कभी नसबंदी का ठेका कभी पकड़ने का ठेका इसके बावजूद रोज 5 किलो कुत्ते काट रहे हैं उनको खत्म नहीं किया जा रहे पर गायों को पकड़ कर कसाइयों को काटने के लिए बेच दी गई सन 2000 से अभी तक लगभग 2लाख गायें पकड़ी गई गौशाला के नाम पर भी लूट मची हुई है लगभग 1 लाख से ज्यादा गाएं कसाइयों को बेच दी गई या बड़वानी झाबुआ अलीराजपुर धार के गांवों में ले जाकर पशु चिकित्सा विभाग को सौंप कर उनको खरीदना और आदिवासी व एससी जाति के लोगों को देकर 25 से रु. 50000 तक के वाउचर साइन करवा के पैसे हजम कर लिए गए। उसके बारे में सारे सूकर भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारी का कलेक्टर इंदौर धार झाबुआ अलीराजपुर बड़वानी आदि के सब मिलकर हजम कर गये।

निगम आयुक्त और महापौर सब मिलकर परिवहन के नाम पर भी भारी डकैती करते रहते हैं गाड़ियों के परमिट देने एआईसीटीसीएल में भी हर तरफ लूट का तांडव मचा हुआ है गाड़ियों का रखरखाव होता नहीं कर्मचारियों को 8से रु. 10000 महीने में 12-12 घंटे काम लिया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि विपक्ष बहुत कमजोर है और उसको अपने ही गृह कलहों से ही फुर्सत नहीं मिलती इसलिए वह भी उल्लुओं की तरह ताकते हुए अपनी कमाई और शिकार का इंतजार करता रहता है।

कहानी तो सैकड़ों पेज की है।

संक्षिप्त विवरण दे दिया गया है कि पर जनता को और विपक्ष को सड़कों पर निकाल कर इन हरामखोर डकैतों के खिलाफ न केवल प्रदर्शन करना चाहिए बल्कि उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ न्यायालय में प्रकरण लगाने के साथ याचिकाएं भी दाखिल कर इनको जेलों में पहुंचाया जाना चाहिए। तब यह हरामखोर सुधरेंगे। और जनता शांति से जीवन यापन कर सके।

फिर भुखेरा झुंड पार्टी की सरकार के डकैत और आपराधिक मानसिकता के मोदी और अमित शाह सच बोलने लिखने बताने वाले पत्रकारों के तो मोबाइल टेप करती है। उन पर निगरानी रख और गूगल वह व्हाट्सएप के माध्यम से लेखों, संदेशों समाचारों के शब्दों को बदल अर्थ का अनर्थ करवाती है। चलचित्रों में काटने छांटने परिवर्तन करने बदल वाने रोकने उड़ाने के षड्यंत्र करवाती है। पर अपने ही घोर भ्रष्ट जालसाज आपराधिक मानसिकता के नेताओं मंत्रियों भारतीय प्रताड़ना सेवा व अन्य सभी अधिकारियों से लेकर विभागीय कर्मचारियों के मोबाइलों को टेप करवा कर भी सच्चाई का पता लगायें। शायद मेरा प्रस्तुतीकरण उनके लूट डकैती जालसाजी भ्रष्टाचार के सामने हल्का हो जाएगा।

साप्ताहिक समय माया

इस कथा के बिना है अधूरी

नाग पंचमी की पूजा

हिंदू धर्म में नाग पंचमी मनाई जाती है। कुछ क्षेत्रों में इसे भैया पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के अनुसार नाग पंचमी हर वर्ष श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। मान्यताओं के अनुसार नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा की जाती है। माना जाता है कि इस दिन नाग देवता की पूजा करने और सांप को दूध पिलाने से जीवन में सौभाग्य और समृद्धि आती है। इस वर्ष नाग पंचमी 9 अगस्त, शुक्रवार को मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन पूजा का सही समय शाम 5:47 बजे से रात 8:27 बजे तक है। नाग पंचमी की पूजा में नाग पंचमी की कथा पढ़ना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस कथा को पढ़े बिना नाग पंचमी की पूजा अधूरी है।

नागपंचमी से जुड़ी पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, जनमजय अर्जुन के पोते राजा परीक्षित के पुत्र थे। जब जनमजय को पता चला कि सांप के काटने से उनके पिता की मृत्यु हो गई है, तो उन्होंने बदला लेने के लिए सर्प सत्र नामक यज्ञ का आयोजन किया। ऋषि आस्तिक मुनि ने नागों की रक्षा के लिए श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन यज्ञ बंद कर दिया था। इस कारण तक्षक नाग के बचने से नागों का वंश बच गया। आग के ताप से नाग को बचाने के लिए ऋषि ने उनपर कच्चा दूध डाल दिया था। वहीं से नाग देवता को दूध चढ़ाने की प्रथा शुरू हुई। तभी से नाग पंचमी मनाई जाती है।

नाग पंचमी की कथा

प्राचीन काल में एक सेठजी के सात पुत्र थे और सातों के विवाह हो चुके थे। सबसे छोटे पुत्र की पत्नी श्रेष्ठ चरित्र की और सुशील थी, लेकिन उसका कोई भाई नहीं था। एक दिन उस घर की बड़ी बहू ने घर लीपने के लिए पीली मिट्टी लाने के लिए सभी बहुओं को साथ चलने को कहा तो सभी एक साथ डलिया और खुरपी लेकर मिट्टी खोदने के लिए निकल पड़ीं। जब बहुएं मिट्टी खोद रही थीं तभी वहां एक सर्प निकला, जिसे बड़ी बहू खुरपी से मारने का प्रयास करने लगी। यह देखकर छोटी बहू ने उसे रोका और कहा यह बेचारा निरपराध है। यह सुनकर बड़ी बहू ने उसे नहीं मारा तब वो सांप एक ओर जा बैठा। तब छोटी बहू ने उससे कहा मैं अभी लौट कर आती हैं तुम यहां से जाना मत। इतना कहकर वह सबके साथ मिट्टी लेकर घर चली गई और कामकाज में फंसकर सर्प से जो वादा किया था वो उसे भूल गई।

उसे दूसरे दिन वह बात याद आई तो वो सब को साथ लेकर वहां पहुंची। सर्प अभी भी उस स्थान पर बैठा था जिसे देखकर छोटी बहु बोली,भैया मुझसे भूल हो गई, उसकी क्षमा मांगती हूं।' तब सर्प बोलाः अच्छा, तू आज से मेरी बहिन है और मैं तेरा भाई तुझे मुझसे जो मांगना हो, मांग ले। वह बोलीः मेरा कोई भैया! नहीं है, अच्छा हुआ तुम मेरे भाई बन गए।

कुछ दिन व्यतीत होने पर वह सांप मनुष्य रूप धारण करके छोटी बहु के घर आया और उससे कहा कि मैं इसका दूर के रिश्ते का भाई हूं, बचपन में ही बाहर चला गया था। उसके विश्वास दिलाने पर परिवार के लोगों ने छोटी को उसके साथ भेज दिया। उसने मार्ग में बताया कि मैं वहीं सर्प हूं, इसलिए तू डरना मत और जहां चलने में कठिनाई हो वहां मेरी पूछ पकड़ लेना। छोटी बहू ने वैसा ही किया और इस प्रकार वह उसके घर पहुंच गई। सर्प के घर के धन-ऐश्वर्य को देखकर वह चकित हो गई। इस तरह से वो उसके घर में रहने लगी। एक दिन सर्प की माता ने उससे कहा, मैं एक काम से बाहर जा रही हूं, तू अपने भाई को ठंडा दूध पिला देना। उसे इस बात का ध्यान नहीं रहा और उसने सांप को गर्म दूध पिला दिया, जिससे उसका मुख जल गया। यह देखकर सर्प की माता को गुस्सा आ गया। परंतु सर्प के समझाने पर वह चुप हो गई। तब सर्प ने कहा कि बहिन को अब उसके घर भेजना चाहिए। तब सर्प और उसके पिता ने उसे बहुत सा सोना, चांदी, जवाहरात, वस्त्र-भूषण आदि देकर घर पहुंचा दिया।

इतना ढेर सारा धन देखकर बड़ी बहू उसने जलने लगी और कहने लगी कि तेरा भाई तो बड़ा धनवान है, तुझे तो उससे और भी धन लाना चाहिए। सर्प ने जब ये वचन सुना तो उसने सब वस्तुएं सोने की लाकर दे दीं। यह देखकर बड़ी बहू ने कहा इन वस्तुओं को झाड़ने की झाड़ू भी सोने की होनी चाहिए। तब सर्प ने झाड़ू भी सोने की लाकर दे दी।

सर्प ने छोटी बहू को हीरा-मणियों का एक अद्भुत हार दिया। जिसकी प्रशंसा उस राज्य की रानी ने भी सुनी और वो राजा से बोली कि सेठ की छोटी बहू का हार मुझे चाहिए। राजा ने मंत्री को आदेश दिया कि उससे वह हार तुरंत ही ले आओ। मंत्री ने सेठजी से जाकर कहा कि महारानी जी छोटी बहू का हार पहनेंगी, वह हमें दे दो। सेठजी ने डर के कारण छोटी बहू से हार लेकर उन्हें दे दिया।

छोटी बहू को यह बात बहुत बुरी लगी, उसने अपने सांप भाई को याद किया और उससे प्रार्थना की, भैया! रानी ने हार छीन लिया है, तुम कुछ ऐसा करो कि जैसे ही रानी वो हार पहनें वह सर्प बन जाए और जब वह मुझे लौटा दे तब वो हार हीरों और मणियों का हो जाए। सर्प ने ठीक वैसा ही किया। जैसे ही रानी ने हार पहना, वैसे ही वह सर्प में बदल गया। यह देखकर रानी चीख पड़ी और डर गई। यह देख कर राजा ने सेठ के पास खबर भेजी कि छोटी बहू को तुरंत भेजो। सेठजी स्वयं छोटी बहू को लेकर राजा के दरबार में उपस्थित हुए। राजा ने छोटी बहू से इसका कारण पूछा तो वह बोली, 'राजन! धृष्टता क्षमा कीजिए ये हार ही ऐसा है कि मेरे गले में हीरों और मणियों का रहता है और अगर इसे कोई और पहनता है तो ये उसके गले में सर्प बन जाता है।' छोटी बहू ने जैसे ही उसे पहना वैसे ही हीरों-मणियों का हो गया। यह देखकर राजा ने प्रसन्न होकर उसे बहुत सी मुद्राएं भी पुरस्कार दिया।

उसके धन को देखकर बड़ी बहू ने ईर्ष्या से उसके पति को उसके विरुद्ध भड़काया जिस कारणवश पति ने अपनी पत्नी के आचरण पर शक किया। तब वह स्त्री फिर से अपने सर्प भाई को याद करने लगी। उसी समय सर्प ने प्रकट होकर कहा यदि मेरी धर्म बहिन के आचरण पर किसी ने संदेह प्रकट किया तो मैं उसे खा लूंगा। यह सुनकर छोटी बहू का पति बहुत प्रसन्न हुआ और उसने सर्प देवता का सत्कार किया। कहते हैं उसी दिन से नागपंचमी का त्यौहार मनाया जाता है और स्त्रियां सांप को भाई मानकर उसकी पूजा करनी लगीं।

उज्जैन में नागचंद्रेश्वर, देश के एकमात्र जो सिर्फ नागपंचमी पर देते हैं दर्शन

उज्जैन में नागचंद्रेश्वर भगवान का मंदिर श्री महाकालेश्वर मंदिर में ही दूसरे माले पर स्थित है। देश का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां साल में सिर्फ एक दिन नागपंचमी पर दर्शन होते हैं। प्रतिमा भी अद्भुत है। भगवान शिव शेषनाग पर मां पार्वती के साथ विराजित हैं। शेष नाग पर विराजित ऐसी प्रतिमा दुनिया में कहीं नहीं है। साल में सिर्फ एक दिन नागपंचमी पर दर्शन होते हैं, शेष दिन मंदिर बंद रहता है। इस बार नागपंचमी पर्व 9 अगस्त 2024 को है। साल में एक बार दर्शन देने वाले भगवान नागचंद्रेश्वर की दर्शन होते हैं इस कारण प्रशासन को नागपंचमी पर करीब 10 लाख दर्शनार्थियों के आने की उम्मीद है और उसी मान से दर्शन व्यवस्था को बेहतर बनाने में प्रशासन जुट गया है। नागपंचमी पर श्री महाकालेश्वर मन्दिर में श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं को लेकर 1 अगस्त 2024 को महाकाल मन्दिर के कंट्रोल रूम में बैठक की गई।

एयरो ब्रिज की क्षमता का तकनीकी परीक्षण होगा

संभागायुक्त संजय गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए जाने के लिए बनाए गए एयरो ब्रिज की क्षमता का तकनीकी परीक्षण और जांच की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बनें। एयरो ब्रिज की मजबूती एवं उपयोग हेतु उपयुक्त होने का प्रमाण-पत्र कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग से लिया जाए। नगर निगम श्री नागचंद्रेश्वर मन्दिर सहित सम्पूर्ण मन्दिर परिसर क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्थाएं की जाए।

इस तरह रहेगी दर्शन व्यवस्था

नागपंचमी के अवसर पर श्री महाकालेश्वर मन्दिर स्थित श्री नागचंद्रेश्वर भगवान के पट 8 अगस्त 2024 को मध्यरात्रि 12 बजे खुलेंगे और भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के दर्शन 9 अगस्त 2024 को रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। दर्शन हेतु भील समाज धर्मशाला में स्थापित जूता स्टेण्ड पर जूते उतारकर तीन पंक्तियों में से गंगा गार्डन के समीप वाले मार्ग से चारधाम मन्दिर पार्किंग जिगजेग, हरसिद्धि चौराहा से रूद्र सागर की दीवार के समीप से विक्रम टीला होते हुए बड़ा गणेश मन्दिर के सामने से द्वार नम्बर-4 के रास्ते मन्दिर में प्रवेश कर विश्रामधाम, एयरो ब्रिज होते हुए भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के दर्शन करेंगे। दर्शन उपरांत एयरो ब्रिज से विश्रामधाम रेम्प, मार्बल गलियारा होते हुए पालकी निकालने वाले मार्ग के समीप नवनिर्मित मार्ग से प्रीपेड बूथ तिराहा, बड़ा गणेश के सामने से हरसिद्धि चौराहा, हरसिद्धि धर्मशाला के समीप वाले मार्ग से नृसिंह घाट तिराहा होते हुए अपने गन्तव्य तक पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं के लिए हरिफाटक पुल के समीप मेघदूत पार्किंग, हरिफाटक पुल के नीचे हाट बाजार पार्किंग, कर्कराज महादेव मन्दिर के समीप पार्किंग, कार्तिक मेला ग्राउण्ड, त्रिवेणी संग्रहालय के संमुख सरफेज पार्किंग आदि स्थानों पर पार्किंग की सुगम व्यवस्था की गई है।

मानसून में डेंगू के साथ येलो फीवर का भी हो सकता है खतरा, ऐसे करें बचाव

L

स्वास्थ्य विशेषज्ञ की माने तो मानसून के दिनों में डेंगू के साथ-साथ मच्छरों के कारण होने वाली कई अन्य बीमारियों का भी जोखिम बढ़ जाता है। येलो फीवर भी उनमें से एक है। येलो फीवर को एक गंभीर और संभावित रूप से घातक फ्लू जैसी बीमारी माना जाता है जो उन्हीं एडीज एजिप्टी मच्छरों द्वारा फैलती है, जो डेंगू और जीका वायरस फैलाते हैं।

समय पर अगर इसका इलाज न हो पाए तो कुछ लोगों को पेशाब की समस्या, उल्टी होने (कभी-कभी खून के साथ), हृदय गति से संबंधी समस्याएं, दौरे पड़ने और नाक-मुंह से खून आने का भी खतरा हो सकता है।

मानसून के दिनों में मच्छर जनित रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश के कई राज्य इन दिनों डेंगू का प्रकोप झेल रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल सहित पूर्वी राज्यों में भी इस रोग के मामले बढ़े हैं। इस साल अब तक कर्नाटक में डेंगू के 10,000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जिनमें आठ की मौत हो गई है। दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में भी डेंगू संक्रमण के मामले बढ़ने की खबर है।

येलो फीवर के गंभीर रूप लेने का खतरा रहता है। घातक रोग के शिकार 30 से 50 फीसदी रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए जानते हैं कि येलो फीवर क्यों इतना खतरनाक है और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

येलो फीवर

येलो फीवर वायरस (फ्लेविवायरस) येलो फीवर का कारण बनता है। ये बीमारी भी संक्रमित मच्छरों के किस इंसान को काटने से फैलता है। संक्रमित व्यक्ति से दूसरे लोगों में इसके फैलने का खतरा नहीं होता है। जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है, इस बुखार के कारण त्वचा का रंग पीला पड़ने (पीलिया) का खतरा हो सकता है। संक्रमितों में तेज बुखार के साथ पीलिया होने का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

डॉक्टर के अनुसार समय रहते लक्षणों की पहचान कर इसका इलाज लेना जरूरी हो जाता है। इलाज में देरी के कारण गंभीर रोग होने का खतरा बढ़ जाता है।

येलो फीवर के लक्षण

अध्ययनों से पता चलता है कि येलो फीवर के मामले तेजी से विकसित होते हैं, जिसके लक्षण संक्रमण के 3 से 6 दिन बाद दिखाई देते हैं। संक्रमण के शुरुआती लक्षण इन्फ्लूएंजा वायरस के समान ही होते हैं इसमें बुखार के साथ सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, ठंड लगने की दिक्कत हो सकती है। रोग के गंभीर रूप लेने के कारण जोड़ों में दर्द के साथ पीलिया, भूख न लगने, कंपकंपी या पीठ दर्द की भी दिक्कत हो सकती है।

येलो फीवर का इलाज और बचाव

येलो फीवर का कोई इलाज नहीं है। उपचार में लक्षणों को प्रबंधित करने और संक्रमण से लड़ने में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने वाले कुछ उपाय किए जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, येलो फीवर से बचाव के लिए प्रयास करते रहना जरूरी है।

येलो फीवर को रोकने का एकमात्र तरीका टीकाकरण है। इसके लिए 17D नाम का टीका दिया जाता है जो काफी प्रभावी माना जाता है। मच्छरों के काटने से बचाव के तरीके अपनाना भी इस रोग से आपको सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है। ●

सिर में अक्सर होता रहता है दर्द तो हो जाइए सावधान

सिरदर्द एक आम समस्या है जिसे कभी न कभी हम सभी ने अनुभव किया है। यह समस्या छोटी हो या बड़ी, हमारे रूटीन को प्रभावित कर सकती है। सिरदर्द के कई प्रकार होते हैं, जैसे माइग्रेन, टेंशन हेडेक, साइनस हेडेक आदि। यहां हम कुछ उपायों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप सिरदर्द से राहत पा सकते हैं।

पर्याप्त नींद लें : सिरदर्द का एक प्रमुख कारण थकान और नींद की कमी है। जब भी आपको सिर दर्द महसूस हो, तो थोड़ी देर के लिए आराम करें। एक शांत और अंधेरे कमरे में लेटकर आंखें बंद करें। ध्यान दें कि आप रोजाना 7-8 घंटे की नींद जरूर लें।

हाइड्रेशन बनाए रखें : कई बार सिर दर्द का कारण डिहाइड्रेशन होता है। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। कैफीन और शराब का सेवन कम करें क्योंकि यह शरीर में पानी की कमी कर सकते हैं।

मसाज करें : हल्के हाथों से सिर, गर्दन और कंधों की मसाज करने से मांसपेशियों में तनाव कम होता है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे सिर दर्द में राहत मिलती है। आप इस काम के लिए एरोमाथेरेपी ऑयल का उपयोग भी कर सकते हैं।

ठंडी या गर्म पट्टी का उपयोग : सिरदर्द के प्रकार के अनुसार ठंडी या गर्म पट्टी का उपयोग किया जा सकता है। माइग्रेन के दर्द में ठंडी पट्टी और टेंशन हेडेक में गर्म पट्टी से आराम मिलता है. पट्टी को माथे या गर्दन पर रखकर कुछ देर के लिए आराम करें।

योग और ध्यान : योग और ध्यान मानसिक तनाव को कम करने में सहायक होते हैं। हर दिन कुछ समय योग और ध्यान के लिए निकालें। खासकर श्वास संबंधी अभ्यास जैसे प्राणायाम, सिर दर्द में काफी लाभदायक हो सकते हैं। ●

प्रोटीन की कमी को नजरंदाज करना पड़ सकता है भारी

प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। यह मसल्स, हड्डियों, और त्वचा के लिए अहम होता है. अगर हमारे शरीर में प्रोटीन की कमी हो जाए, तो कुछ संकेत दिख सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं 6 संकेत जो बताते हैं कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी है।

मसल्स का कमजोर होना

अगर आपके मसल्स कमजोर हो रहे हैं या जल्दी थक जाते हैं, तो यह प्रोटीन की कमी का संकेत हो सकता है। प्रोटीन मसल्स के निर्माण और मरम्मत में मदद करता है। बिना पर्याप्त प्रोटीन के मसल्स ठीक से काम नहीं कर पाते और कमजोर हो सकते हैं।

बालों का झड़ना

प्रोटीन की कमी से बालों का झड़ना बढ़ सकता है। प्रोटीन आपके बालों की मजबूती और वृद्धि के लिए जरूरी है। अगर आप देख रहे हैं कि आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं या कमजोर हो रहे हैं, तो यह प्रोटीन की कमी का संकेत हो सकता है।

त्वचा की समस्याएं

प्रोटीन की कमी से त्वचा सूखी और बेजान हो सकती है। इसके अलावा, त्वचा पर फटने या छाले होने की समस्या भी हो सकती है। प्रोटीन त्वचा की मरम्मत और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

वजन कम होना

प्रोटीन की कमी से वजन कम हो सकता है, खासकर अगर आपको डाइट में अन्य पोषक तत्वों की भी कमी है। प्रोटीन मेटाबोलिज्म को सही बनाए रखता है और शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। ●

रोजाना 30 मिनट स्विमिंग करने से मिलते हैं कई फायदे

पूरे शरीर का व्यायाम तैराकी यानी स्विमिंग पूरे शरीर की मांसपेशियों को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करती है। इससे न केवल मांसपेशियां मजबूत होती हैं बल्कि शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है। इसके और बहुत सारे फायदे होते हैं जैसे पानी में होने के कारण, स्विमिंग के दौरान जोड़ों पर बहुत कम दबाव पड़ता है। ये उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो गठिया या अन्य जोड़ों की समस्याओं से पीड़ित हैं। हृदय स्वास्थ्य के लिए भी ये बेहतरीन विकल्प है स्विमिंग एक एरोबिक व्यायाम है जो हृदय गति को बढ़ाता है और हृदय को मजबूत बनाता है। ये हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पानी में तैरना एक शांत और आरामदायक अनुभव हो सकता है जो तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। स्विमिंग करने से ज्यादा कैलोरी बर्न होती है तैराकी यानी स्विमिंग एक उच्च तीव्रता वाला व्यायाम हो सकता है जो अधिक कैलोरी बर्न करने में मदद करता है। रोजाना 30 मिनट की तैराकी के कई फायदे हो सकते हैं। ●

साप्ताहिक समय माया

केदारनाथ के बाद जगन्नाथजी के खजाने में भी डकैती

पेज 1 का शेष

पलटते साथी जिस पर जैसे ही मोदी ने जय जगन्नाथ बोला और जगन्नाथ के मंदिर में डकैती डाल दी गई वहां के भीखजाने से जान बूझकर डुप्लीकेट चाबी आदि का खेल कर वहां से हजारों वर्ष पुरानी सोने चांदी आदि के आभूषणको भी गायब कर दिया गया।

केदारनाथ के संबंध में

अभी हाल ही में शंकराचार्य जी का वीडियो आया, उससे कुछ महीने पहले केदारनाथ से एक वीडियो आया, वीडियो में दावा किया गया कि पिछले साल जून में मन्दिर के गर्भ गृह में लगाया गया 230 किलो सोना, पीतल में बदल गया है और इस पूरे प्रकरण में 125 करोड़ मूल्य का सोना गायब कर दिया गया है।

खबर सनसनीखेज थी और खूब वायरल हो गई विशेषकर सोशल मीडिया पर, तत्काल मन्दिर समिति की ओर से सफाई आई, बीकेटीसी की प्रेस रिलीज के अनुसार वहां केवल 23 किलो 777 ग्राम ही सोना लगाया गया था, और 1001 किलो कॉपर प्लेटें लगाई गई थी।

अब सवाल ये है कि,

अगर इस अज्ञात दानी ने 230 किलो के बजाय सिर्फ 23 किलो सोना और 1001 किलो तांबा दिया था तो फिर मन्दिर समिती ने 230 किलो के सोने की बात का खण्डन तब क्यों नहीं किया था? अगर अज्ञात दानी ने केदारनाथ मंदिर को 230 किलो सोना भेंट किया और मन्दिर में सिर्फ 23 किलो लगा तो बाकी का 207 किलो सोना कहां रखा गया है, मन्दिर समिती स्पष्ट करे।

इस सबके बीच कल एक वीडियो आया है जिसमें मन्दिर के गर्भ गृह में सोने की पॉलिश संबंधी कृत्य चल रहा है, मन्दिर समिती इस पर अपनी स्पष्ट करे।

जब तक सभी बातों का मंदिर समिति स्पष्ट और तर्कसंगत जवाब नहीं दे देती, सरकार को इस समिति को हॉल्ट पर डालकर सभी आरोपों की जांच करनी चाहिए, क्योंकि मामला आस्था से कहीं बढ़कर अमानत में खयानत का है जो कि कानूनन जुर्म है।

केदारनाथ मंदिर की दीवारों के अलावा, जलेरी (शिवलिंग तक जाने वाला एक छोटा गलियारा) और छत सहित गर्भगृह पर 230 किलो वजनी सोने की 550 परतें चढ़ी हैं। अगली बार जब आप केदारनाथ धाम जाएंगे, तो आपको 11वें ज्योतिर्लिंग मंदिर की भव्यता में एक अतिरिक्त चमक देखने को मिलेगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के दो अधिकारी आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों के साथ गर्भगृह को सजाने के लिए चढ़ाई जा रही सोने की परत की निगरानी कर रहे हैं। दीवारों के अलावा, जलेरी (शिवलिंग तक जाने वाला एक छोटा गलियारा) और छत सहित गर्भगृह पर 230 किलो वजनी सोने की 550 परतें चढ़ी हैं। बद्री केदार मंदिर समिति के अधिकारियों ने इस दैनिक को बताया कि बुधवार को काम का एक हिस्सा पूरा हो गया। समिति के अध्यक्ष अजयेंद्र अजय ने बताया, 'भारत सरकार की ओर से एएसआई के अतिरिक्त महानिदेशक जनविज शर्मा के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने पिछले सप्ताह मंदिर परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया।' उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों की रिपोर्ट के बाद मंदिर के गर्भगृह में सोने की परत चढ़ाने का काम शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की और एएसआई की टीम गर्भगृह का निरीक्षण कर चुकी है। अजय ने बताया कि गर्भगृह की सजावट लगभग पूरी हो चुकी है और विशेषज्ञों की मौजूदगी में 19 मजदूर पिछले तीन दिनों से काम कर रहे हैं। भाई दूज (26 अक्टूबर) के एक दिन बाद केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने महाराष्ट्र के एक दानदाता (नाम उजागर नहीं) के सहयोग से यह काम किया है। सोने की परत चढ़ाने से पहले मंदिर समिति के पदाधिकारियों की मौजूदगी में चांदी की परतें हटाई गईं। सूत्रों ने बताया कि चांदी की इन परतों को मंदिर के भंडार में सुरक्षित रखा गया है। गर्भगृह की दीवारों पर 550 सोने की चादरें बनाने के लिए वास्तविक आकार को मापने के लिए तांबे की चादरें लगाई गईं। अंत में उभरी हुई तांबे की चादरों को हटाकर सोने की चादरों के अंतिम निर्माण के लिए वापस महाराष्ट्र ले जाया गया। इन चादरों को एक सप्ताह पहले विशेष वाहन से दिल्ली से लाया गया था। पिछले साल सितंबर में गर्भगृह को सोने की चादरों से ढंकने के लिए चांदी की परतें हटाई गई थीं। गुरुवार को सुबह 8.30 बजे श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली शीतकालीन प्रवास श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी। मंदिर समिति से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार पवित्र केदारनाथ मंदिर का निर्माण आदि शंकराचार्य ने आठवीं शताब्दी में कराया था। शंकराचार्य ने उस स्थान का पुनर्निर्माण कराया जहां महाभारत के पांडवों ने शिव मंदिर बनाया था। मुंबई के एक व्यवसायी केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह के नवीनीकरण के लिए धन मुहैया कराएंगे, जिस पर अब सोने की परत चढ़ाई जाएगी। वर्तमान में प्रसिद्ध चार धाम मंदिरों में से एक के गर्भगृह पर 230 किलोग्राम चांदी की परत चढ़ाई गई है।

श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने द हिंदू को बताया कि काशी विश्वनाथ और दक्षिण भारत के कई मंदिरों के गर्भगृहों पर सोने की परत चढ़ाने वाली फर्म को केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह के अंदर चांदी की जगह सोने की परत चढ़ाने का काम सौंपा गया है। मंदिर पर चांदी की परत चढ़ाने का काम 2017 में किया गया था।

यूक्रेन को एफ-16 से रूस से युद्ध, इसराइल को भी हथियार

पेज 1 का शेष

बेल्जियम, डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने आने वाले महीनों में यूक्रेन को 60 से ज़्यादा विमान उपलब्ध कराने का वादा किया है, जो कि धीरे-धीरे डिलीवरी की एक छोटी सी प्रक्रिया हो सकती है।

हालाँकि रूस की हालिया युद्धक्षेत्र में बढ़त वृद्धिशील रही है, लेकिन यूक्रेन के धीरे-धीरे ज़मीन खोने के साथ इसकी स्थिर आगे की गति बढ़ रही है।

एफ-16 विमान यूक्रेन की सैन्य शक्ति को बढ़ाएँगे, खासकर इसके हवाई सुरक्षा को उन्नत करके। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि वे अपने दम पर युद्ध का रुख नहीं मोड़ पाएँगे।

एफ-16 विमान यूक्रेनी युद्ध प्रयास में क्या ला सकते हैं?

वाशिंगटन में सेंटर फॉर यूरोपियन पॉलिसी एनालिसिस के फेडेरिको बोरसारी कहते हैं कि एफ-16 के तीन मुख्य मिशन होंगे।

वे यूक्रेन पर लगातार बमबारी करने वाले रूसी मिसाइलों और ड्रोन को रोकने की कोशिश करेंगे; दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों को दबाएँगे; और हवा से ज़मीन पर मार करने वाली मिसाइलों से रूसी सैन्य ठिकानों और गोला-बारूद के डिपो पर हमला करेंगे।

बोरसारी कहते हैं, 'वे (युद्ध की) कुछ गतिशीलता को प्रभावित करने में सक्षम होंगे।' एफ-16 की तैनाती के बारे में बहुत सी जानकारी गोपनीय है, जिसमें पश्चिमी सरकारें उन्हें क्या मारने की अनुमति देती हैं और वे विमान के साथ कौन से हथियार भेजेंगे।

एफ-16 यूनाइटेड किंगडम द्वारा आपूर्ति की गई स्टॉर्म शैडो एयर-लॉन्च की गई क्रूज मिसाइलों को ले जा सकते हैं, जिनकी रेंज 250 किलोमीटर (155 मील) से अधिक है, जो संभावित रूप से रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला कर सकती हैं। उन्हें लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भी मिल सकती हैं जो रूसी बमवर्षकों और लड़ाकू विमानों के लिए खतरा होंगी। विमान के उन्नत रडार यूक्रेनी पायलटों को उनके मिग-29, एसयू-27 और एसयू-24 की तुलना में अधिक दूर स्थित लक्ष्यों को सटीक रूप से निर्धारित करने में सक्षम बनाएंगे।

आसमान पर नियंत्रण करना युद्ध के जमीनी अभियान का एक अनिवार्य हिस्सा है, क्योंकि विमान सैनिकों को हवाई कवर प्रदान करते हैं। लेकिन रूस की परिष्कृत वायु रक्षा प्रणालियों को देखते हुए, जमीनी हमलों के साथ फ्रंट लाइन पर यूक्रेनी सैन्य आंदोलनों का समर्थन करना एफ-16 के लिए बहुत जोखिम भरा हो सकता है।

कम से कम, लड़ाकू जेट रूसी पायलटों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल सकते हैं, और क्रेमलिन की सेनाओं के खिलाफ संघर्ष कर रहे यूक्रेनियों के मनोबल को बढ़ा सकते हैं।

यूक्रेन के लिए क्या चुनौतियाँ हैं?

किंग्स कॉलेज लंदन में रक्षा अध्ययन विभाग की मरीना मिरोन ने यूक्रेन के लिए एफ-16 द्वारा लाई जाने वाली चुनौतियों की एक लंबी सूची बताई है।

यूक्रेनी पायलटों के लिए अमेरिका और यूरोप में लगभग नौ महीने का प्रशिक्षण पश्चिमी पायलटों के लिए सामान्य तीन साल के पाठ्यक्रम की तुलना में क्रैश कोर्स के बराबर था, जिसे मिरोन 'बहुत जटिल मशीनरी' कहते हैं। इसका मतलब है कि उनके प्रदर्शन पर सीमाएँ होंगी।

एफ-16 को बड़ी संख्या में सहायक कर्मियों की भी आवश्यकता होती है, जैसे कुशल रखरखाव इंजीनियर, युद्ध सामग्री लोडर, खुफिया विश्लेषक और आपातकालीन दल।

यूक्रेन को रडार स्टेशनों, मजबूत हैंगर, स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति और ईंधन भरने की प्रणालियों का एक नेटवर्क भी स्थापित करना होगा। गुणवत्ता वाले हवाई क्षेत्र भी जरूरी हैं क्योंकि एफ-16 एयर इनटेक टरमैक के करीब है और इंजन में मलबे और गंदगी के जाने का खतरा है। मिरोन कहते हैं, 'इससे जुड़े कई मुद्दों को सुलझाया जाना चाहिए।' एफ-16 में कोई युद्ध अनुभव नहीं रखने वाले यूक्रेनी पायलट हवाई लड़ाई में शामिल होने से कतराते हैं।

ईरान और उसके सहयोगियों ने हमास और हिजबुल्लाह के शीर्ष नेताओं की हत्या का बदला लेने की कसम खाई

ये हत्याएं कई बड़ी घटनाओं में से नवीनतम हैं, जिनसे गाजा युद्ध के दौरान क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है, जिसमें सीरिया, लेबनान, इराक और यमन के ईरान समर्थित आतंकवादी समूह भी शामिल हो गए हैं।

ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों ने हमास और हिजबुल्लाह नेताओं की मौत का बदला लेने की कसम खाई, जिससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया क्योंकि तेहरान के शहर के केंद्र में शोक मनाने वालों ने बदला लेने का आह्वान किया।

हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनीयेह का ईरानी राजधानी में सार्वजनिक अंतिम संस्कार किया गया, जहां बुधवार की सुबह एक हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी, जिस पर इजरायल ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

इसके बाद हनीयेह के शव को कतर ले जाया गया, जहां वह रह रहे थे और जहां शुक्रवार को उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उस दिन उनके समूह ने फिलिस्तीनी क्षेत्रों और पूरे क्षेत्र में 'उग्र आक्रोश के दिन' का आह्वान किया था।

हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह ने लेबनानी समूह के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार को संबोधित करते हुए कहा कि इजरायल और 'जो लोग इसके पीछे हैं, उन्हें फुआद शुक्र और हनीया की हत्याओं पर हमारी अपरिहार्य प्रतिक्रिया का इंतजार करना चाहिए,' जो कुछ ही घंटों के अंतराल पर हुई।

दक्षिण बेरूत में एक हमले में शुकर की मौत के एक दिन बाद नसरल्लाह ने इजरायल को संबोधित करते हुए कहा, 'आपको नहीं पता कि आपने कौन सी लाल रेखाएं पार कर ली हैं।'

इजराइल, जिसने कहा कि शुकर की हत्या पिछले सप्ताह गोलान हाइट्स पर घातक रॉकेट हमले का जवाब थी, ने गुरुवार को अपने विरोधियों को चेतावनी दी कि उन्हें किसी भी 'आक्रामकता' के लिए 'बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी'।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, 'इज़राइल किसी भी स्थिति के लिए बहुत उच्च स्तर की तैयारी कर रहा है, चाहे वह रक्षात्मक हो या आक्रामक।'

'जो हम पर हमला करेंगे, हम भी जवाब में उन पर हमला करेंगे।'

हिजबुल्लाह के एक करीबी सूत्र ने एएफपी को बताया कि ईरानी अधिकारियों ने बुधवार को तेहरान में तथाकथित 'प्रतिरोध की धुरी' के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की, जो कि तेहरान समर्थित इजरायल विरोधी समूहों का एक ढीला गठबंधन है, ताकि उनके अगले कदमों पर चर्चा की जा सके।

बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले सूत्र ने नाम गुप्त रखने का अनुरोध करते हुए कहा, 'दो परिदृश्यों पर चर्चा की गई: ईरान और उसके सहयोगियों की ओर से एक साथ प्रतिक्रिया या प्रत्येक पक्ष की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रिया।'

यमन के ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के नेता ने इजरायल की 'बड़ी आक्रामकता' का 'सैन्य जवाब' देने की कसम खाई।

विश्लेषकों ने एएफपी को बताया कि व्यापक संघर्ष से बचने के लिए जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

ब्रिटेन के कार्डिफ विश्वविद्यालय में हिजबुल्लाह के शोधकर्ता और व्याख्याता अमल साद ने कहा कि ईरान और उसके समर्थित समूह 'संभवतः युद्ध को टालने का प्रयास करेंगे, साथ ही इजरायल को इस नई नीति, इस लक्षित आघात और भय को जारी रखने से दृढ़तापूर्वक रोकेंगे।'

तेहरान में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने हनीया के लिए प्रार्थना का नेतृत्व किया, इससे पहले उन्होंने उसकी हत्या के लिए 'कठोर सजा' की धमकी दी थी।

- 'गर्जन मार्च' -

एएफपी संवाददाता ने बताया कि तेहरान विश्वविद्यालय से शुरू हुए जुलूस और समारोह में काले कपड़े पहने महिलाओं सहित भीड़ ने हनीया के पोस्टर और फिलिस्तीनी झंडे लिए हुए थे।

सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित चित्रों के अनुसार, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी सहित वरिष्ठ ईरानी अधिकारी समारोह में शामिल हुए।

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने एक दिन पहले घोषणा की थी कि तेहरान में उनके आवास पर बुधवार को तड़के हुए हमले में हनीया और उनके एक अंगरक्षक की मौत हो गई।

हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स ने दो ईरानी अधिकारियों सहित अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए बताया कि यह विस्फोट कई महीनों पहले लगाए गए एक विस्फोटक उपकरण के कारण हुआ था।

रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर इजरायली सैन्य प्रवक्ता डैनियल हगारी ने संवाददाताओं को बताया कि शुक्र की हत्या की रात 'पूरे मध्य पूर्व में कोई अन्य इजरायली हवाई हमला नहीं हुआ था।'

कतर स्थित हनीयेह मंगलवार को पेजेशकियन के शपथ ग्रहण समारोह के लिए तेहरान गए थे।

आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, पेजेशकियन ने कहा कि ईरान 'प्रतिरोध की धुरी का दृढ़ संकल्प के साथ समर्थन करना जारी रखेगा।'

कतर स्थित नेटवर्क अल जजीरा ने बताया कि हनीया का शव ले जाने वाला विमान दोहा में उतरा है, जहां कतर की राजधानी की सबसे बड़ी मस्जिद में नमाज के बाद फिलिस्तीनी नेता को दफनाया जाएगा।

हमास ने एक बयान में शुक्रवार को एक दिन के विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया।

इसमें कहा गया है, 'हर मस्जिद से जोरदार आक्रोश मार्च शुरू होना चाहिए।'

कभी सरकार आईएएस के भी फोन टैप करके जांचे

पेज 1 का शेष

ऐसी प्रदेश भर में कम से कम 5000 किमी सड़कें थी। जहां जनता को लूटा जाता रहा। उसके बाद सन 2010 से 14 तक प्रधान सचिव ऊर्जा बनकर प्रदेश के ताप विद्युत उत्पादक केंद्रों को इसमें अमरकंटक सतपुडा 2 3 4 संजय गांधी 1-2 और विस्तार सारणी बिरसिंहपुर पाली, श्री सिंगाजी डूंगरिया खंडवा फेस एक व दो किताब केदो का कोयले की आपूर्ति मेंकमीशन खाने के साथ जानबूझकर कोयले की कमी दिखाने और उनकी क्षमता से कम उत्पादन करने का संयंत्र कर 20 से 30% कमीशन पर निजी क्षेत्र से बिजली खरीदने का षड़यंत्र किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाने, रखरखाव में मोटी वसूली करने, फर्जी उत्पादक वितरण और परेशान कंपनियों में घाटा दिखाकर वर्ष 2 वर्ष में बिजली की कीमत बढ़ाकर जनता को भी लूटा गया। उसके बाद उद्योग विभाग में प्रधान सचिव रहते हुए भी प्रदेश में चल रहे उद्योगों से औद्योगिक क्षेत्र के रखरखाव सड़कों बिजली पानी प्लाट आवंटन, करो में छूट अनुदान आदि के नाम मोटी वसूली की गई। बाद में लोक निर्माण विभाग का प्रधान सचिव बना दिया गया। उनके समय में भी ए-टेंडिंग घोटाला हुआ टाटा जैसी कंपनी से मोटा कमीशन खाकर पूरे टेंडर की साइट का रखरखाव का खेल टीसीएस को सौंप दिया गया। जिसने सेकंड करोड़ का धन टेंडर फार्म बेचे। साइट का रखरखाव करने और शुल्क वसूलने की आड़ में जो धन सरकार को जाना चाहिए था बीच में ही हजम करके निकल ली। इसके बारे में आज तक कहीं कोई हो हल्लानहीं हुआ। सभी संभागों को धन आबंटन के नाम पर भी वसूली में हिस्सा रहता था। बाद में कोरोना कल में मध्य प्रदेश की अतिरिक्त मुख्य सचिवजन स्वास्थ्य एवंचिकित्सा शिक्षा बना दिए गए और आपको मालूम है कोरोना काल में किस प्रकार से हजारों करोड़ की चिकित्सा सामग्री खरीदने, अस्थाई चिकित्सालय बनाने व्यवस्था करने के नाम पर लूट मचाई गई और लगभग 50% काम पूरे प्रदेश भर में चिकित्सा के नाम पर कागजों पर ही कर निर्गमन पालिका मुख्य चिकित्सा अधिकारियों लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा हजम कर लिए गए। कोरोना मरीजों की चिकित्सा के नाम परजिला अधिकारियों से लेकर चिकित्सा अधिकारियों ने तक खरीदी आपूर्ति औषधीयों बिस्तरों अस्पतालों निजी क्षेत्र के चिकित्सालयों को आवंटन में भी 40 से 80% कमीशन पर काम हुआ। हजारों करोड़ के इंजेक्शन दवाई टीके ऑक्सीजन प्लांट अस्पतालों में बिस्तर पलंग भो जन आदि का कागजों पर खर्च कर हजम किया गया इसका जनता को उसका कोई लाभ नहीं मिला। उसके भी हिस्सेदारी मोहम्मद सुलेमान थे। इनके भी मोबाइल की पिछले साल भर की बातचीत जानकारी का ब्यौरा निकाल कर देश-विदेश की संपत्तियों की जांच की जानी चाहिए। उससे ईमानदारी स्पष्ट हो जाएगी। यह भी शिवराज के प्रिय बसूली बाज अधिकारियों में थे।

सीएम मोहन यादव के खास माने जाने वाले संदीप यादव को स्वास्थ्य विभाग और सेवाओं का प्रमुख सचिव बनाया गया है। वहीं संदीप यादव की जगह अब सुदाम खाड़े को अब जनसंपर्क आयुक्त के साथ ही पूरे विभाग की जिम्मेदारी दे दी गई है।

सीएम मोहन यादव के खास IAS संदीप यादव को सीनियर आईएएस अधिकारी मोहम्मद सुलेमान की जगह स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य सेवाएं और गैस राहत विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है. जबकि सुलेमान को कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया गया है. वहीं संदीप यादव की जगह अब सुदाम खाड़े को जनसंपर्क आयुक्त के साथ ही पूरे विभाग की जिम्मेदारी दे दी गई है. उन्हें सचिव जनसंपर्क के साथ ही मध्य प्रदेश माध्यम का प्रबंध संचालक बनाया गया है.

मोहन सरकार ने शुक्रवार की शाम को 10 सीनियर आईएएस अधिकारियों के नवीन पदस्थापना आदेश जारी कर दिए हैं. 1989 बैच के आईएएस अधिकारी और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग तथा प्रवासी भारतीय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव 1989 बैच के IAS अधिकारी मोहम्मद सुलेमान को कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया गया है. उनसे बाकी विभाग लेकर आईएएस संदीप यादव को दे दिए गए हैं.

एसएन मिश्रा को गृह विभाग का ACS बनाया

कृषि उत्पादन आयुक्त तथा परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे 1990 बैच के आईएएस अधिकारी और अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा को गृह विभाग का एसीएस बनाया गया है. परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार यथावत रखा है. उच्च शिक्षा विभाग के ACS और संसदीय कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे 1992 बैच के आईएएस अधिकारी केसी गुप्ता को लोक निर्माण विभाग का अपर मुख्य सचिव और संसदीय कार्य विभाग का प्रभार यथावत रखा है. गृह विभाग के प्रमुख सचिव 1993 बैच के आईएएस अधिकारी संजय दुबे को प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी बनाया गया है. दूसरे शिवराज के भ्रष्टाचार और वसूली के प्रिय अधिकारियों में घोर भ्रष्ट एस एन मिश्रा कोबी शिवराज ने अपने कार्यकाल में मोती वसूली के पदों पर ही पदस्थ कर माध्यम से वसूली करते रहे। नर्मदा घाटी परिवहन जल संसाधन परिवहन जो की मोटिवेशनल के विभाग थे में ही रहे और अभी भी मुख्यमंत्री मोहन यादव नेभी वसूली के हिसाब से अपने खास भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारियों की पदस्थी की है।

विवेक पोरवाल को राजस्व विभाग का प्रमुख सचिव बनाया

लोक निर्माण विभाग (PWD) के प्रमुख सचिव 1996 बैच के आईएएस डीपी आहूजा को मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग, आयुष विभाग, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग का प्रमुख सचिव और मत्स्य महासंघ का प्रबंध संचालक और राज्य परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और खाद्य सुरक्षा विभाग के आयुक्त 2000 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक पोरवाल को राजस्व विभाग का प्रमुख सचिव और राहत आयुक्त एवं पुर्वास आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.

सुदाम खाड़े को अब पूरा जनसंपर्क विभाग दिया

विमानन तथा जनसंपर्क विभाग के प्रमुख सचिव और मध्यप्रदेश माध्यम के संचालक के अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे 2000 बैच के IAS अधिकारी संदीप यादव को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव, गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग का प्रमुख सचिव, प्रवासी भारतीय विभाग का प्रमुख सचिव तथा स्वास्थ्य सेवाएं का आयुक्त एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. जनसंपर्क आयुक्त 2006 बैच के आईआईएएस अधिकारी डॉ. सुदाम पंढरीनाथ खाड़े को जनसंपर्क विभाग का सचिव, जनसंपर्क आयुक्त के साथ ही मध्य प्रदेश माध्यम के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. इस देश का असली खुद राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों को चलाने अंगूठा लगवाने हिस्सा बांटने का काम करने वाले यथार्थ में देश की केंद्र व राज्यों की सरकार को चलाने वसूली करने भ्रष्टाचार से जनता का खून चूसने में आईएएस अधिकारियों का ही सबसे आगे हाथ रहता है। इन अधिकारियों के लिए कर्मचारी अधिकारी भेड़ बकरियां और जनता कीड़े मकोड़े होती है। इनका सच जानने के लिए केवल साल भर के उनके सभी प्रकार के मोबाइलों कॉल रिकॉर्डिंग निकाल कर सरकार को नाचना चाहिए कहां कौन कितना महान भ्रष्ट है।

10 सालों में नशे का कारोबार 100 गुना बढ़ा, युवाओं को कर रही बर्बाद

पेज 8 का शेष

भारत में नशे को लेकर क्या कानून है

NDPS यानी Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 का नियम कहता है कि भारत में नशीली दवाओं का सेवन और उन्हें बचेना दोनों ही कानूनी तौर पर सही नहीं है. इस नियम के अनुसार, इस तरह के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों का गठन किया जाना चाहिए. जहां ऐसा करते पाए जाने वाले दोषियों को कम से कम तीन साल की सजा का प्रावधान भी किया गया है. हालांकि, इस नियम कहता है कि अपराध के मुताबिक सजा तय की जाएगी.

नशे की लत के क्या है, लक्षण, कारण व बचाव के तरीके !

नशा जिसका आगमन जिस घर में एक बार हो जाता है, तो उस घर की बर्बादी निश्चित है, ठीक वैसे ही अगर आप या आपके परिवार में कोई इस लत का शिकार हो गया है तो आप कैसे उन्हें इस लत से बाहर निकालने में सक्षम हो पाते है, इसके बारे में आज के लेख में चर्चा करेंगे;

नशे की लत क्या है ?

☐ नशे की लत या किसी नशे की चीज का एडिक्शन होना एक मानसिक बीमारी है जो किसी एक चीज (शराब, ड्रग्स) के लगातार उपयोग के कारण होती है। इसके अलावा इन नशे की चीजों का सेवन करने वाला व्यक्ति जानता है कि इसका हेल्थ पर काफी बुरा असर पड़ सकता है, लेकिन इसके बावजूद वह इसका इस्तेमाल करता रहता है।

☐ वहीं नशे की चीजों का सेवन करने से दिमाग के काम करने के तरीके में काफी बदलाव आने लगता है।

☐ नशे की लत से जूझ रहे लोगों में नशा करने की मात्रा में धीरे-धीरे बढ़ोतरी नज़र आने लगती है।

नशे के कारण अगर आपका दिमाग अच्छे से कार्य करने में असमर्थ है तो इसके लिए आपको पंजाब में मानसिक रोग विशेषज्ञ का चयन करना चाहिए।

कैसे पहचाने की व्यक्ति नशे की लत का शिकार हो गया है ?

☐ नशा कई तरह से होता है और हर तरीके के नशे की लत के स्तर को पता करने का तरीका अलग है। वहीं अपने अंदर आए इन तरीकों से आप नशे की लत का पता लगा सकते है, जैसे –

☐ न चाहते हुए भी नशा करना और ऐसी अवस्था में व्यक्ति को पता होता है की नशे का बुरा प्रभाव पड़ता है या इसका असर बुरा होता है लेकिन इसके बावजूद भी व्यक्ति इसको करता है।

☐ नशे के कारण व्यक्ति के काम या पढ़ाई का काफी लॉस होता है। ऐसे में अगर छात्र इससे जूझ रहें है, तो उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी और कोई काम काजी व्यक्ति इसका शिकार है, तो उनकी प्रोडक्टिविटी पर काफी असर पड़ेगा।

☐ नशे की लत की वजह से खर्चे का बढ़ना, और नशे का लती व्यक्ति आर्थिक रूप से हमेशा परेशान रहता है। और कई बार तो ऐसा होता है की वो नशे की लत को पूरा करने के लिए चोरी करने तक पर उतर आता है।

नशे की लत के क्या कारण है ?

☐ नशे की लत का कारण मानसिक रूप से स्वास्थ्य न रहना है।

☐ आसानी से किसी के साथ जुड़ने में दिक्कत का सामना कर रहें लोग भी इस लत का शिकार हो रहें है।

☐ कार्यस्थल या स्कूल में ख़राब प्रदर्शन।

☐ तनाव को दूर करने में परेशानी का सामना करने वालें लोग भी इस लत का शिकार हो जाते है।

यदि व्यक्ति मानसिक परेशानी से जूझने के कारण नशे की लत की और बढ़ गया है, तो इससे बचाव के लिए व्यक्ति को लुधियाना में बेस्ट साइकेट्रिस्ट का चयन करना चाहिए।

नशे की लत से कैसे करें खुद का बचाव?

☐ यदि आप न चाहते हुए भी नशा कर रहें है तो इससे बचाव के लिए आपको इसे एकदम से नहीं छोड़ना है बल्कि इसे आप धीरे-धीरे छोड़ने की आदत को डालें। क्युकी कहते है न की अगर किसी चीज को पाने में 6 महीने लगें है तो उसको छोड़ने में 8 से 10 महीने तो आसानी से लग सकते है। लेकिन कोशिश यही करनी है की इससे दुरी जल्दी बनाई जाए।

☐ नशा छोड़ने में सबसे बड़ी भूमिका मजबूत मन निभाता है। अगर आपने फैसला कर लिया है कि आप दोबारा नशे को हाथ नहीं लगाएंगे, तो पहले मन में आत्मविश्वास बढ़ाएं। खुद पर भरोसा करना शुरू करें कि इस काम को फिर से नहीं दोहराएंगे।

☐ कई बार व्यक्ति नशे का शिकार किसी बीमारी के कारण होता है, इसलिए जरूरी है की अगर व्यक्ति किसी पुराणी बीमारी से काफी लंबे समस्य से जूझ रहा है तो उसको उस बीमारी से बाहर निकाले।

☐ बुरी संगत और बुरी चीजों से दुरी बनाकर रखें, क्युकी वो कहावत तो आपने सुनी ही होगी की एक मछली सारे तालाब को गंदा करती है, ठीक यही कहावत नशा करने वाले लोगों को साथ रखने से भी सही साबित होती है।

☐ नशे से बचाव के लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल और दिनचर्या में बदलाव लाना होगा तभी जाकर आप इस लत से खुद को बाहर निकालने में कारगर साबित होंगे। इसके अलावा अपने रोजाना की दिनचर्या में योग व्यायाम को जरूर शामिल करें।

सुझाव :

अगर नशा आपके मानसिक परेशानी की वजह है तो इससे बचाव के लिए आपको मानस हॉस्पिटल का चयन करना चाहिए।

निष्कर्ष :

नशे का कितना ही बुरा लती क्यों न हो अगर वो उपरोक्त बातों को मान लें तो उसके बुरे से बुरे नशे के लत को चुटकियों में दूर किया जा सकता है।

नशे की समस्या से मुक्ति आवश्यक, महत्वपूर्ण है समाज की भूमिका

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोकने के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 1989 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना है।

भाजपा, देश बेंचने, भ्रष्टाचार व नाकामियों को छुपाने देश को नशे में डूबा रही

10 सालों में नशे का कारोबार 100 गुना बढ़ा, युवाओं को कर रही बर्बाद

अदानी के पोर्ट से 21000 करोड़ की ड्रग पकड़ी गई, पूरा देश चपेट में

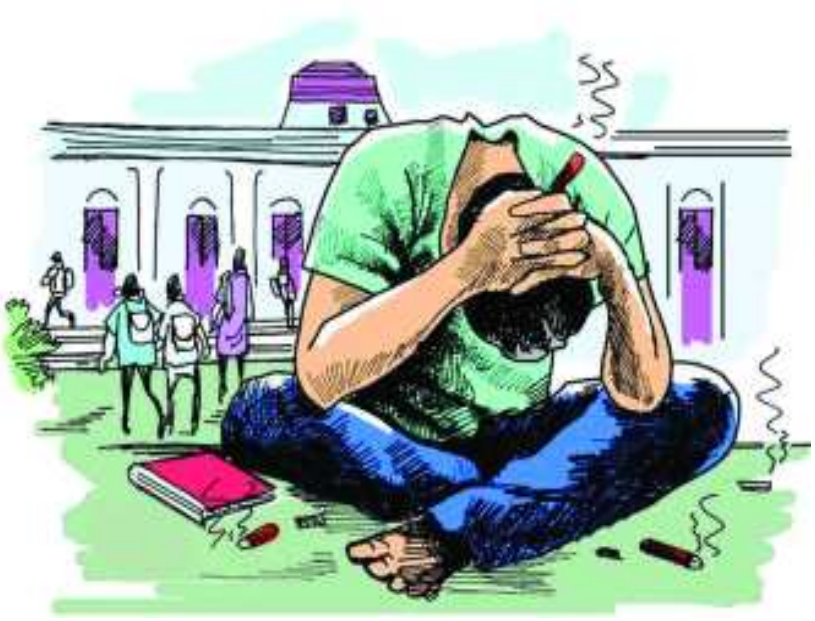

भारत में भाजपा का शासन आने के बाद देश व देश की जनता को हर तरह से बर्बाद किया जा रहा है। जाहिल और आपराधिक मानसिकता के मोदी और अमित शाह ने बहुराष्ट्रीय कंपनियांऔर अपने मित्रों अडानी अंबानी को उठाने के लिए देश में सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी और तालाबंदी के बहाने देश के 40 करोड लोगों को बेरोजगार कर दियाउसकेदूसरी तरफपिछले10 सालों मेंसरकारी विभागों में2 करोड़ नौकरियां खाली होने के बाद में भी युवाओं को रोजगार नहीं दिया जा रहा उसकी हताशा से युवा नशे की तरफ मुढ़ता चला जा रहा है। फिर देश की संपत्तियां हवाई अड्डामंडल गांव कोअदानी के हवाले करने के बाद पिछले5 सालों में हीअदानी के मुंद्रा पोर्ट से लगभग 21000 करोड़ की ड्रग पकड़ी गई। अकेले गुजरात में पिछले 10 सालों में 6000 करोड़ से ज्यादा की नशे की खेप पुलिस ने पकड़ी। पूर्व से ही पंजाब की उच्च उर्वरा कृषि भूमि और उसकी श्रेष्ठ फसलों को हड़पने के लिए षड़यंत्र के अंतर्गत नशे में डुबाया गया। अब पूरे देश में खासतौर से जहां भाजपा की सरकारें हैं। नशे का कारोवार बहुत तेजी से फल फूल और पैर पसार रहा है। और उसमें मध्य प्रदेश में लपेटे में आ गया है आज पूरे मध्यप्रदेश में सभी बड़े शहरों जबलपुर इंदौर भोपाल ग्वालियर उज्जैन से लेकर छोटे-छोटे शहरों से गांवों में भी नशा सहज ही उपलब्ध हो जाता है।

भारत में कितने लोग नशा करते हैं

भारत में युवाओं की बड़ी संख्या आज नशे की गिरफ्त में है. यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जो चिंता का विषय है. कुछ राज्यों में यह समस्या गंभीर बन गई है. हालांकि, सरकारें नशे के कारोबार को खत्म करने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं. हाल ही में ड्रग वॉर डिस्टॉर्शन और वर्डोमीटर की चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है. जिसके मुताबिक, देश में अवैध दवाओं का कारोबार करीब 30 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है. नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट रिपोर्ट के अनुसार, देश की आबादी के 10 से 75 साल तक करीब 20 प्रतिशत लोग किसी न किसी तरह के नशे के आदी हैं. इनमें महिलाओं की संख्या भी अच्छी खासी है. आजकल कम उम्र के बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं.

तेजी से बढ़ रही नशे की लत, जानें भारत में कितने लोग करते हैं नशा, हैरान कर देंगे आंकड़े

कई आंकड़ों के मुताबिक, साल 2017 तक भारत का अवैध दवा बाजार करीब 10 लाख करोड़ का था. साल 2020 में आई ग्लोबल ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में जब्त की गई अफीम में भारत चौथे नंबर पर है.

भारत में ड्रग का बाजार कितना बड़ा

संयुक्त राष्ट्र औषधि और नियंत्रण कार्यालय ने एक रिपोर्ट जारी की थी. तब पूरी दुनिया में सालभर में 300 टन गाजे की सप्लाई होती थी. जिसमें करीब 6 प्रतिशत अकेले भारत में खपत होती थी. 2017 में गांजे की सप्लाई 353 टन हो गई, जिसमें से भारत में करीब 10 प्रतिशत सप्लाई हुई. कई आंकड़ों के मुताबिक, साल 2017 तक भारत का अवैध दवा बाजार करीब 10 लाख करोड़ का था. साल 2020 में आई ग्लोबल ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में जब्त की गई अफीर में भारत चौथे नंबर पर है. यहां मॉर्फीन की तीसरी सबसे बड़ी खेप होने का अनुमान है.

(शेष पेज 7 पर)

जनता से वैध अवैध लूट की पूरी छूट, आंसू पी जीने को मजबूर

निगम पालिकाओं परिषदों में हर कदम लूट, भारी भ्रष्टाचार पर कोई नियंत्रण नहीं

शहरों की लूट के लिए आर्थिक भौगोलिक बर्बादी रोकने की कोई व्यवस्था नहीं, सामने आने पर बचाने की व्यवस्था पूरी

प्रदेश व देश के नगर निगम पालिकाओं परिषदों में केंद्रीय व राज्य के शहरी विकास मंत्रालय अनेकों योजनाओं में लाखों करोड़ का धन उपलब्ध करवाते हैं उस धन का अगर 30% पैसा भी सही ढंग से खर्च हो तो भी सभी नगरीय क्षेत्र की आर्थिक एवं भौगोलिक समस्याओं यथा बरसात में सड़कों पर पानी भरने मकान ढहने बाढ़ आने आदि की समस्याओं को निराकरण किया जा सकता है आपने देखा किस प्रकार से गंगा सफाई अभियान में पिछले 10 सालों में लगभग 2000 करोड रु इंदौर को मिले। पर उसे पैसे का कहां क्या सदुपयोग हुआकहीं कोई निविदा बिल भुगतान के वाउचर ठेकेदार भौगोलिक स्थिति में उसमें क्या काम हुआ?

किसी का कोई पता नहीं। इंदौर जहां कान्हा सरस्वती और खान नदियां बहकर क्षिप्रा में मिलती हैं, वही क्षिप्रा जाकर चंबल में जो उत्तर प्रदेश के इटावा में जमुना मे, जो प्रयागराज में जाकर गंगा में मिल जाती है। इसलिए भौगोलिक रूप से विंध्याचल का मालवा पठार गंगा कछार का हिस्सा माना जाता है।

नर्मदा नदी यथार्थ में सतपुड़ा और विंध्याचल पर्वतों को अमरकंटक से निकलकर बांटती हुई भारत के पश्चिम गुजरात के कच्छ में सागर में मिलती है।

न केवल मध्य प्रदेश में गंगा सफाई अभियान का वरन नर्मदा सफाई अभियान का हजारों करोड़ का धन नर्मदा किनारे की नगरीय आबादियों मंडला जबलपुर होशंगाबाद भोपाल आदि को भी मिलता रहता है! परंतु नदियां साफ होने की अपेक्षा भ्रष्टाचार से गंदी होती चली जा रही है। उस नदी सफाई योजना के अंतर्गत निगमों पालिकाओं परिषदों में नगरीय क्षेत्र में नालियां बिछाने उखाड़ने सड़कें खोदने, बिगाड़ने, बनाने में ही हर वर्ष विभिन्न योजनाओं का हजारों करोड़ों रुपए का धन पी लिया जाता है। वहां बैठे हरामखोर भारतीय प्रताड़ना सेवा के आयुक्तों प्रदेश प्रताड़ना सेवा के उपायुक्त सहायक आयुक्त अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों इंजीनियर से लेकर चुनकर आए पार्षदों महापौर सभी सारी योजनाओं के धन के बंदर बांट में जुटे रहते हैं। हजारों भ्रष्टाचार के कांडों में दो-चार, दस कांड पकड़ में आ भी जाएं तो उस पर कार्रवाई करने की अपेक्षा छल, कपट, चालाकी, बदमाशी, दस्तावेजों फाइलों की चोरी, रिकॉर्ड नष्ट करने कमरों, भवनों में आग लगाने का खेल नगर निगमों पालिकाओं सरकारी विभागों से लेकर प्रादेशिक राजधानियों और देश की राजधानी तक में खुले रूप से भाजपा के आने के बाद देश भर में बेखौफ चल रहा है।

इंदौर नगर निगम में पिछले 24 साल से भुखेरा झुंड पार्टी का कब्जा है।

(शेष पेज 3 पर)

साप्ताहिक
समय माया
samaymaya.com

करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों
उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों
ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी
विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के
विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत

साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व
samaymaya.com की वेबसाइट पर
समाचार, शिकायतें और विज्ञापन
(प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें

मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है
एवं संवाददाता नियुक्त करना है

मो. 9425125569 / 9479535569

ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958